12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 1

रायपुर

सोमवार 12 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-284

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

एग्जाम के दिन रैली और जुलूस पर लगे रोक NTA सुधारों को लेकर संसदीय समिति का सुझाव



नई दिल्ली। संसदीय समिति ने सिफारिश की है कि अहम प्रतियोगी परीक्षाओं के दिन जिला प्रशासन को किसी भी रैली, जुलूस या जनसभा की अनुमति नहीं देनी चाहिए। ाष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में सुधारों की समीक्षा के लिए गठित संसदीय समिति ने जिला प्रशासन से अपील की है। समिति ने परीक्षा के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने, ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलाने और परीक्षार्थियों को अनावश्यक परेशानी से बचाने पर जोर दिया है। संसदीय समिति ने सिफारिश की है कि अहम प्रतियोगी परीक्षाओं के दिन जिला प्रशासन को किसी भी रैली, का सामना न करना पड़े।

मणिपुर में हिंसा से तनाव, मौतों की संख्या पहुंची 9- CM खेमचंद सिंह ने की शांति की अपील



नई दिल्ली। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हिंसा बढ़ गई है, मृतकों की संख्या 9 तक पहुंच गई है। कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी मेंसुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ष्टरूने शांति बनाए रखने की अपील की है ।मणिपुर के हिंसा प्रभावित पहाड़ी जिलों में रविवार (11 अक्टूबर 2026) को भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। हाल ही में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़पों में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 9 हो गई है।

दिल्लीवालों को बड़ी राहत, सभी मेट्रो स्टेशनों के एंट्री-एग्जिट गेट खुले



नई दिल्ली। दिल्ली में सुरक्षा कारणों के चलते कई मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई थीं। हालांकि अब DMRC ने सभी मेट्रो स्टेशनों के एंट्री गेट खोलने का ऐलान कर दिया है ।दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी कि दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी मेट्रो स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट गेट अब खुल गए हैं। सभी मेट्रो स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा भी उपलब्ध है। बता दें किजंतर-मंतर पर चल रहा प्रदर्शन खत्म होने के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने शनिवार शाम दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशनों के प्रवेश द्वार (एंट्री गेट) खोल दिए। इससे पहले सुरक्षा कारणों की वजह से कई मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई थीं।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़-कई पुल-घर बहे



नई दिल्ली। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में करीब 35 घर और 6 पुल बह गए, जबकि कम से कम 10 लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है ।बाढ़ से 341 मेगावाट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैंप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बस्तियों में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा ।शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था।

पीएम मोदी-सीएम विजय मेट्रो में साथ बैठे:पीएम ने चेन्नई में वी विल डू इट का नारा दोहराया

TVK की जीत के बाद पहला तमिलनाडु दौरा

एजेंसी ➤ चेन्नई

मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन भी किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे।इसके बाद वे जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यायल के गोल्डन जुबली इवेंट में पहुंचे, जहां उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा। मुझे पूरा भरोसा है।इसके बाद उन्होंने बच्चों से वी विल डू इट का नारा लगवाया।2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह



पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है। 2026 में ञ्जङ्क्य ने जीत हासिल की और एक्टर विजय सीएम बने। कांग्रेस उनकी सहयोगी पार्टी है।

भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा, मुझे आप पर पूरा भरोसा है

पीएम मोदी बोले- आज आपके बीच आकर, आपके सपनों को महसूस करके मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है। मैं कह सकता हूं भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा। और उस भविष्य के सबसे बड़े हीरो आप हैं। मुझे आपके टैलेंट, कॉन्फिडेंस, योग्यता पर भरोसा है। इसलिए आज मैं आप सभी के साथ कुछ बड़े संकल्प दोहराना चाहता हूं। अब जो मैं कहूंगा उसके बाद आपको बोलना है, वी विल डू इटज् डेवलप तमिलनाडु, डेवलप इंडियाज्वी विल डू इट...।

मोदी ने कहा- मुझे यकीन देश खेल की दुनिया में भी नई ऊंचाई पर जाएगा

आज नई एजुकेशन पॉलिसी से देश में एजुकेशन क्वालिटी इंप्रूव हो रही है। ग्लोबल पहचान बढ़ रही है। आज 52 हो गई है। इन आंकड़ों का मतलब बहुत सीधा है। ज्यादा संस्थान, तो आपके लिए ज्यादा अवसर।

प्रदेश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना है

महिला सशक्तिकरण से विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार : मुख्यमंत्री

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है और महिला सशक्तिकरण विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का मजबूत आधार है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारा लक्ष्य महिलाओं को केवल शासकीय योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रदेश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर में हिंदी खबर द्वारा आयोजित शाइनिंग छत्तीसगढ़ 'शक्ति स्वरूपा' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं का सम्मान किया और उनसे संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी को शक्ति स्वरूपा माना गया है। नवरात्रि मातृशक्ति की आराधना का महापर्व है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मां के संघर्ष और संस्कारों ने सिखाया सेवा और संवेदनशीलता का महत्व

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ। बचपन में ही पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने अपनी माता को अनेक कठिनाइयों के बीच परिवार को संभालते और खेती-बाड़ी करते हुए देखा। उनकी माता ने कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की शिक्षा और संस्कारों में कोई कमी नहीं आने दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां के संघर्ष, सेवाभाव, सनातन मूल्यों के प्रति आस्था और परिवार के प्रति समर्पण ने उनके व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। जनसेवा और जरूरतमंद के प्रति संवेदनशीलता की प्रेरणा उन्हें अपने परिवार और विशेष रूप से अपनी माता से मिली। आज मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाते हुए भी वे उन्हीं संस्कारों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

महतारी वंदन ने बढ़ाया महिलाओं का आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। योजना के अंतर्गत 68 लाख से



अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 32 किस्तों में 20 हजार 700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं है। इस राशि ने महिलाओं को अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता देने के साथ परिवार की निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और आत्मविश्वास को भी मजबूत किया है। महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों, पोषण, घरेलू आवश्यकताओं और बचत जैसे कार्यों में कर रही हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि योजना की पात्र कोई भी महिला इसके लाभ से वंचित न रहे। तकनीकी कारणों, दस्तावेजों, आधार अथवा बैंक खाते से जुड़ी त्रुटियों के कारण जिन पात्र महिलाओं को लाभ नहीं मिल पाया है, उनके प्रकरणों का परीक्षण कर आवश्यक समाधान किया जा रहा है।

लक्ष्य से लगभग दोगुनी उपलब्धि, 14 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल देने के साथ उन्हें स्थायी आजीविका और उद्यमिता से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'लखपति दीदी' पहल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ ने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में 7.82 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 14 लाख ग्रामीण महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। प्रदेश की 32.39 लाख ग्रामीण परिवार 2.98 लाख स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक गतिविधियां संचालित कर रही हैं। इन समूहों की महिलाओं को कृषि आधारित व्यवसाय, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, लघु वनोपज, डेयरी, मशरूम उत्पादन, मिलेट प्रसंस्करण, सिलाई और रेडीमेड वस्त्र निर्माण सहित विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के उत्पादों की गुणवत्ता, बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार तक पहुंच पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं केवल स्वरोजगार से न जुड़ें, बल्कि सफल उद्यमी बनकर दूसरे लोगों को भी रोजगार देने की स्थिति में आएं।

481 महतारी सदन बनेंगे महिला समूहों की गतिविधियों के केंद्र

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला स्व-सहायता समूहों और सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में 481 महतारी सदनों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। ये महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र बनेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से प्रदेश की 39.73 लाख महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। रानी दुर्गावती योजना के लिए 15 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र बालिकाओं के 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर डेढ़ लाख रुपए की सहायता का प्रावधान है।

बस्तर में लौटी शिक्षा की रोशनी, नक्सल हिंसा से बंद 421 स्कूल फिर खुले

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी बेटी के सपनों की राह में दूरी, गरीबी या असुरक्षा बाधा न बने, इसके लिए सरकार शिक्षा के अवसरों का लगातार विस्तार कर रही है। विशेष रूप से दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में छात्रावासों, आश्रमों, आवासीय विद्यालयों और प्रयास संस्थानों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।उन्होंने कहा कि बस्तर में लंबे समय तक नक्सल हिंसा के कारण अनेक गांवों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई और स्कूल बंद हो गए थे। शांति और विश्वास की स्थापना के साथ राज्य सरकार ने ऐसे 421 स्कूलों को दोबारा शुरू किया है। वर्षों बाद इन स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल और पढ़ाई की आवाज लौटना बदलते बस्तर की सबसे सुखद तस्वीरों में से एक है।मुख्यमंत्री ने बताया कि ओरछा और जगरगुंडा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही हैं, ताकि आदिवासी अंचलों के बच्चों, विशेषकर बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अपने परिवार और गांव से बहुत दूर न जाना पड़े।

स्वस्थ महिला से स्वस्थ परिवार और स्वस्थ छत्तीसगढ़ का निर्माण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला और बाल स्वास्थ्य को राज्य सरकार ने अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा है। गर्भवती महिलाओं, माताओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य तथा पोषण की बेहतर व्यवस्था के लिए आंगनबाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच, बच्चों के पोषण और किशोरियों में एनीमिया की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्रदेश में लगभग 2.49 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 6.21 लाख वय-वंदना कार्ड जारी किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरस्थ जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर सरकार का विशेष ध्यान है। आर्थिक स्थिति अथवा गांव की दूरी किसी महिला के उपचार में बाधा न बने, इसी सोच के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

आईटी, एआई और आधुनिक उद्योगों में महिलाओं के लिए खुलेंगे नए अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और रोजगार के स्वरूप को देखते हुए महिलाओं को पारंपरिक आजीविका के साथ भविष्य की तकनीकों और आधुनिक उद्योगों से जोड़ना भी आवश्यक है।राज्य की नई औद्योगिक नीति में महिलाओं के रोजगार और स्वरोजगार को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

एक महीने में 1,046 संपत्तियों पर की कार्रवाई

दिल्ली में अवैध निर्माण पर एमसीडी ने कसा शिकंजा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिल्ली में अवैध निर्माण और खतरनाक इमारतों के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। 6 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच राजधानी के सभी 12 जोन में 1,046 संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आदेश पर दिल्ली नगर निगम राजधानी में अवैध निर्माण और खतरनाक भवनों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर रही है। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित हादसों को रोकने के लिए ऐसे भवनों को ध्वस्त करने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों को सील भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निगम को निर्देश दिए हैं कि राजधानी में अवैध इमारतों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई



लगातार जारी रखी जाए और इसे और तेज किया जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 6 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच दिल्ली नगर निगम ने सभी 12 जोन में 1,046 संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इस दौरान 282 संपत्तियों को सील एवं 47 खतरनाक इमारतों को ध्वस्त किया गया।6 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच नरेला जोन में 62, रोहिणी में 158, सिविल लाइंस में 63, केशवपुरम में 61, सिटी एसपी जोन में 87, करोल बाग में 85, शाहदरा साउथ में 87, शाहदरा नॉर्थ में 115, वेस्ट जोन में 87, नजफगढ़ में 45, सेंट्रल जोन में 75 और साउथ जोन में 121 संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।इसी दौरान नरेला में एक, रोहिणी में दो, सिविल लाइंस में आठ, केशवपुरम 18 और साउथ जोन में 41 संपत्तियों को सील किया गया।

सीमापुरी में कार्रवाई, तीन मकानों को नोटिस

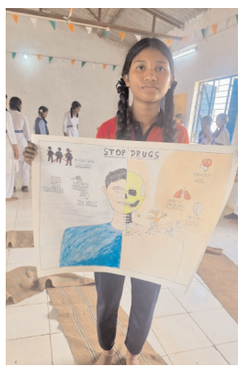
सीमापुरी में इमारत ढहने की घटना के बाद संबंधित एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए एक असुरक्षित इमारत को ध्वस्त किया। वहीं, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की ओर से तीन अन्य मकानों को नोटिस जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशों के अनुरूप अवैध और असुरक्षित निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जारी है ।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अवैध निर्माण और असुरक्षित के अनुसार कार्रवाई करनी होगी।

12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 2

न्यूज इन शॉर्ट

सेवा संकल्प अभियान - नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने विद्यार्थियों को किया गया जागरूक'

रायपुर, सेवा संकल्प अभियान - नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने विद्यार्थियों को किया गया जागरूक'सेवा संकल्प अभियान के तहत बीजापुर जिले के तारलागुड़ा में आयोजित कार्यक्रम में शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। बालक पोर्टाकेबिन तारलागुड़ा में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तंबाकू, गुटखा, शराब और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।



कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि नशे की लत शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ शिक्षा, पारिवारिक जीवन और भविष्य को भी प्रभावित करती है। विशेष रूप से किशोरावस्था में नशे से दूरी बनाए रखना जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों ने नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, खेलकूद, योग और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम तारलागुड़ा तथा कन्या एवं बालक पोर्टाकेबिन तारलागुड़ा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वयं नशे से दूर रहने के साथ समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। दूरस्थ अंचल में आयोजित इस पहल के माध्यम से बच्चों और युवाओं तक नशामुक्ति तथा स्वस्थ जीवनशैली का संदेश पहुंचाया गया।

महाराजा अग्रसेन की जयंती पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने किया नमन

रायपुर, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने सामाजिक समरसता के प्रणेता, सेवा और समर्पण के प्रतीक महाराजा अग्रसेन जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन का संपूर्ण जीवन सामाजिक समानता, जनकल्याण, परोपकार और मानव सेवा के उच्च आदर्शों को समर्पित रहा। उनके विचार और सिद्धांत आज भी समाज को एकता, सहयोग और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज में समानता, भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना को सशक्त बनाने का संदेश दिया। उन्होंने ऐसे समाज की कल्पना की, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने और आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हों। उनके द्वारा स्थापित सामाजिक सहयोग और जनकल्याण के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं।उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन की परंपरा में सेवा, उद्यमशीलता, परिश्रम और परोपकार को विशेष महत्व दिया गया है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर अग्रवाल समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, उद्योग और जनसेवा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन का जीवन हमें यह सिखाता है कि समाज की वास्तविक प्रगति आपसी सहयोग, सामाजिक समरसता और अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही संभव है। उनके विचार एक समतामूलक, सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं। श्री चौधरी ने महाराजा अग्रसेन की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रदेशवासियों से उनके सेवा, सद्भाव, समानता और परोपकार के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कामना की कि महाराजा अग्रसेन के आदर्शों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ निरंतर विकास, समृद्धि और खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

भारतीय रेलवे ने 3,548 स्नातक-स्तरीय एनटीपीसी रिक्तियों की घोषणा की, इससे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए नए कैरियर के अवसर खुलेंगे

पात्र उम्मीदवारों को आयु में छूट, आरक्षण लाभ और परीक्षा शुल्क वापसी के प्रावधानों सहित योग्यता-आधारित चयन

मालगाड़ी प्रबंधक के पद की सबसे अधिक 2,750 रिक्तियां

ऑनलाइन आवेदन 6 नवंबर 2026 तक खुले हैं

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

भारतीय रेलवे ने रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा जारी केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या 06/2026 के माध्यम से गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (एनटीपीसी-स्नातक) की भर्ती के तहत स्नातक स्तर के 3,548 पदों की घोषणा की है। यह भर्ती योग्य स्नातकों को भारतीय रेलवे में करियर बनाने और देश के सबसे बड़े सार्वजनिक सेवा संगठनों में से एक के कामकाज में योगदान देने का अवसर प्रदान करती है।

इस भर्ती में चार श्रेणियों के पद शामिल हैं, जिनमें मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक, मालगाड़ी प्रबंधक, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइपिस्ट और वरिष्ठ क्लर्क सह टाइपिस्ट शामिल हैं। ये पद वाणिज्यिक सेवाओं, ट्रेन संचालन, लेखा और प्रशासन के क्षेत्र में कैरियर के अवसर प्रदान करते हैं, जो देशभर में रेलवे सेवाओं के कुशल संचालन में सहयोग करते हैं।

कुल 3,548 रिक्तियों में से 2,750 पद मालगाड़ी प्रबंधक के लिए, 371 पद वरिष्ठ क्लर्क सह टाइपिस्ट के लिए, 300 पद कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइपिस्ट के लिए और 127 पद मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक के लिए हैं। ये रिक्तियां स्नातकों को रेलवे संचालन और प्रशासन के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करने के अवसर प्रदान करती हैं।इन पदों पर प्रारंभिक मूल वेतन सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अंतर्गत दिया जाएगा। मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक का प्रारंभिक मूल वेतन वेतन स्तर 6 पर 35,400 रुपये प्रति माह है, जबकि अन्य तीन श्रेणियों का प्रारंभिक मूल वेतन वेतन स्तर 5 पर 29,200 रुपये प्रति माह है। लागू भत्ते और सेवा शर्तें संबंधित नियमों के अनुसार होंगी।

महत्वपूर्ण तिथियां और पात्रता मानदंड

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर 2026 से शुरू हो गई है और योग्य उम्मीदवार 6 नवंबर 2026, रात 11:59 बजे तक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 नवंबर 2026 है, जबकि आवेदन में संशोधन की अवधि 9 नवंबर से 18 नवंबर 2026 तक निर्धारित है।

उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए और उन्हें पद-विशिष्ट निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा। अधिसूचित आयु सीमा 1 जनवरी 2027 को 18-33 वर्ष है, जिसमें निर्धारित नियमों के तहत पात्र श्रेणियों के लिए आयु में छूट दी जाएगी।योग्य स्नातकों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत अधिसूचना की समीक्षा करें, अपनी पसंद के पदों के लिए आवश्यक शर्तों की पुष्टि करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।योग्यता के आधार पर चयन प्रक्रिया, जिसमें पात्र उम्मीदवारों के लिए प्रावधान शामिल हैं।चयन प्रक्रिया में प्रथम चरण में कंप्यूटर आधारित परीक्षा , द्वितीय चरण में और आवश्यकतानुसार दस्तावेज़ सत्यापन एवं चिकित्सा परीक्षा शामिल है। चयन योग्यता और निर्धारित पात्रता शर्तों के पूरी होने के आधार पर होगा।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने विद्यार्थियों में उत्साह : 17 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों से भरवाए गए फॉर्म-6

महत्वपूर्ण दायित्व के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई है

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विजय दयाराम के. के निर्देशन में जिले में मतदाता सूची के पुनर्सत्यापन एवं नवीन मतदाताओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार 10 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टीकरकला गौरेला, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरवाही सहित जिले के विभिन्न शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में मतदाता जागरूकता एवं पंजीयन गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान के तहत विद्यालयों में गठित निर्वाचक साक्षरता क्लब (ईएलसी) एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से 17 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों को मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इस दौरान पात्रता के अनुसार विद्यार्थियों से फॉर्म-6 भरवाए गए तथा आवश्यक दस्तावेजों एवं ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया की



जानकारी दी गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में संचालित इस अभियान का उद्देश्य आगामी अर्हता तिथियों पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं का अग्रिम पंजीयन सुनिश्चित करना तथा कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे, इसके लिए जागरूकता बढ़ाना है। विद्यालयों में विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की आवश्यकता तथा निर्वाचन प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवा भी निर्धारित अर्हता तिथि के अनुरूप फॉर्म-6 के माध्यम से अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। उनका नाम 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने एवं निर्धारित पात्रता के अनुसार मतदाता सूची में सम्मिलित किया जाएगा। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जिले के सभी पात्र युवाओं से मतदाता पंजीयन अभियान का लाभ उठाने तथा लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण दायित्व के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई है।

मनेन्द्रगढ़ में दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर मंथन



एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़

एमसीबी। दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से एमसीबी पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के मार्गदर्शन में मनेन्द्रगढ़ सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा दुर्गा पूजा सेवा समितियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और आम नागरिकों की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा, नजूल तहसीलदार विनीत सिंह तथा सिटी कोतवाली प्रभारी विवेक पाटले सहित राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रघुनाथ पोद्दार उपस्थित रहे।इसके अलावा विवेकानंद चौक, नवयुवक मंडल, फुहारा चौक एवं स्टेशन रोड से जुड़े प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों तथा अन्य नागरिकों ने भी बैठक में भाग लिया।बैठक के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पूजा पंडालों के आसपास यातायात सुचारू रखने, सड़कों पर आवागमन बाधित न होने देने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पर चर्चा की गई।

स्वच्छ ऊर्जा के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे परिवार

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से रोशन हुआ राजपूत परिवार का जीवन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और आर्थिक खुशहाली का नया अध्याय लिख रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए दी जा रही अतिरिक्त आर्थिक सहायता से यह योजना आम नागरिकों के लिए और अधिक लाभकारी बन रही है। केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी के सहयोग से अब घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाना आसान और किफायती हो गया है। योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक परिवार न केवल बिजली बिल के खर्च से राहत प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं।

इस योजना की सफलता की प्रेरक मिसाल बेमेतरा शहर निवासी श्री बीरेन्द्र राजपूत का परिवार है। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती द्रौपती राजपूत के नाम पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया। योजना के अंतर्गत उन्हें 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जो आवेदन के मात्र 15 दिनों के भीतर सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो गई। इस आर्थिक सहायता से सोलर पैनल स्थापित करने का वित्तीय बोझ कम हुआ और उनका परिवार बिजली के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सका।

श्री बीरेन्द्र राजपूत बताते हैं कि सोलर पैनल लगवाने के बाद उनके घर के बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले



हर महीने बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली के कारण मासिक बिल शून्य या बेहद कम आ रहा है। इससे परिवार के घरेलू बजट में राहत मिली है और बिजली बिल पर खर्च होने वाली राशि की बचत होने लगी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि रूफटॉप सोलर प्रणाली के माध्यम से घरेलू बिजली खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

एसी, पानी की मोटर और घरेलू उपकरणों के उपयोग के बावजूद बिजली बिल में राहत

श्री बीरेन्द्र राजपूत बताते हैं कि उनके घर में एक हॉर्स पावर की पानी की मोटर, एयर कंडीशनर सहित विभिन्न घरेलू विद्युत उपकरणों का उपयोग किया जाता है। इन उपकरणों के संचालन के लिए बिजली की नियमित आवश्यकता होती है। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद दिन के समय सूर्य की रोशनी से बिजली का उत्पादन होने लगा है, जिससे ग्रिड से ली जाने वाली बिजली पर निर्भरता कम हुई है।

मनेन्द्रगढ़ में न्याय की आस में बुजुर्ग मां आखिर कब जागेगा प्रशासन?

एक तरफ गिरफ्तारी, दूसरी तरफ उजड़े आशियाने की पीड़ा! क्या गरीब की फरियाद सुनने वाला कोई नहीं?

महेंद्र शुक्ला ➤ मनेन्द्रगढ

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिक को कितना न्याय और सुरक्षा दे पाती है। लेकिन जब एक बुजुर्ग महिला अपने टूटे हुए आशियाने के बीच जिंदगी गुजारने को मजबूर हो और न्याय के लिए दर-दर भटकती रहे, तो यह केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि व्यवस्था के सामने खड़ा एक गंभीर सवाल है।

मनेन्द्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 11 में एक गरीब परिवार की बदहाली ने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। लगातार बारिश के कारण जर्जर हुए मकान में रहने को मजबूर बुजुर्ग मां और उसका बेटा आज भी राहत और न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं। परिवार का आरोप है कि जमीन और मकान से जुड़े विवाद के कारण उसे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवार नारायण अग्रवाल पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगा रहा है। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच और दस्तावेजों के आधार पर सच्चाई सामने आना जरूरी है।

लेकिन सवाल यह है कि जब किसी गरीब परिवार की पीड़ा अधिकारियों तक पहुंचती है, तो उसकी समस्या के समाधान में इतनी देरी क्यों होती है? क्या किसी हादसे का इंतजार किया जाएगा, या समय रहते परिवार की सुरक्षा और आवास की व्यवस्था पर ध्यान दिया जाएगा?

आगजनी के मामले में गिरफ्तारी, अब बुजुर्ग महिला को न्याय का इंतजार

मनेन्द्रगढ़ में सार्वजनिक स्थान पर खड़ी एक गाड़ी में आग लगाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। अब आरोपी को न्यायालय में पेश किए जाने की बात सामने आई है। यह पुलिस की कार्रवाई से जुड़ा मामला है, जिसमें आगे की प्रक्रिया कानून के अनुसार होगी।

इसी घटनाक्रम के बीच एक और सवाल चर्चा में है–जब किसी मामले में पुलिस कार्रवाई आगे बढ़ सकती है, तो वर्षों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे गरीब परिवार की शिकायत का



समाधान कब होगा?

यह स्पष्ट करना जरूरी है कि आगजनी का मामला और बुजुर्ग महिला के जमीन संबंधी विवाद को अलग-अलग तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर देखा जाना चाहिए। किसी व्यक्ति पर लगे आरोपों को जांच और न्यायिक प्रक्रिया से पहले सिद्ध अपराध नहीं माना जा सकता।

फिर भी, बुजुर्ग महिला की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। न्याय का अर्थ केवल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि पीड़ित को उसके अधिकार दिलाना और उसे सुरक्षित जीवन जीने का अवसर देना भी है।

प्रशासन की जिम्मेदारी केवल शिकायत सुनना नहीं, समाधान करना भी है

यदि परिवार की शिकायत सही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। जमीन और मकान से जुड़े दस्तावेजों की जांच होनी चाहिए। कब्जे के आरोपों की निष्पक्ष पड़ताल होनी चाहिए और यदि परिवार आवास सहायता का पात्र है, तो उसे नियमानुसार राहत दिलाने की पहल की जानी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जर्जर मकान में रह रहे परिवार की सुरक्षा का तत्काल आकलन किया जाए। बारिश और मकान गिरने का खतरा किसी सरकारी फाइल के निपटारे का इंतजार नहीं करता।गरीब को आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए। बुजुर्ग मां को तारीख पर तारीख नहीं, अपने अधिकारों की रक्षा चाहिए।

क्या न्याय केवल प्रभावशाली लोगों तक सीमित रह जाएगा?

यह सवाल किसी व्यक्ति विशेष के



खिलाफ फैसला सुनाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था से जवाब मांगने का है। कानून सबके लिए समान है और न्याय की प्रक्रिया भी तथ्यों, साक्ष्यों तथा नियमों के आधार पर चलनी चाहिए।

लेकिन यदि कोई गरीब व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाता है और उसकी समस्या का समाधान नहीं होता, तो संबंधित व्यवस्था की जवाबदेही तय होना भी उतना ही आवश्यक है।

प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई, जमीन संबंधी विवाद की वर्तमान स्थिति क्या है और परिवार को तत्काल राहत देने के लिए कौन-से कदम उठाए जा सकते हैं।

अंतिम सवाल–बुजुर्ग मां को सुरक्षित छत कब मिलेगी?

मनेन्द्रगढ़ की इस बुजुर्ग महिला का मामला केवल एक परिवार की परेशानी नहीं, बल्कि जनहित और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा मुद्दा है। आज जरूरत इस बात की है कि संबंधित अधिकारी संवेदनशीलता के साथ मामले की जांच करें और कानून के दायरे में रहकर समाधान सुनिश्चित करें।क्योंकि न्याय का असली अर्थ केवल कार्रवाई की खबर नहीं, बल्कि पीड़ित के जीवन में आया वास्तविक बदलाव है।

एक गरीब परिवार को सुरक्षित आशियाना मिले, बुजुर्ग मां सम्मान के साथ जीवन जी सके और उसकी शिकायत का निष्पक्ष समाधान हो–यही किसी संवेदनशील प्रशासन से जनता की अपेक्षा है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेन्द्रगढ़ में छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति किया गया जागरूक

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत 17+ छात्राओं को दी गई पंजीयन की जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़

युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने और पात्र नागरिकों को मतदाता पंजीयन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षा विभाग मनेन्द्रगढ़ में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 17 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की छात्राओं को मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की पात्रता तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अर्चना वैष्णव, टी. विजय गोपाल राव, छात्रा नोडल तनुश्री जाना, बीएलओ सीता सेन, प्रेमशिला केसरवानी, अंशु शर्मा, राहुल सिंह एवं चांदनी राज ने छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने मतदाता पंजीयन से जुड़ी आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए छात्राओं को जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर बताया गया कि 17 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा अग्रिम रूप से मतदाता पंजीयन के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुसार पात्रता पूरी होने पर मतदाता सूची में नाम दर्ज किया जाता है। इस व्यवस्था का उद्देश्य युवाओं को पंजीयन की प्रक्रिया से समय रहते परिचित कराना है, ताकि पात्र होने पर वे लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग कर सकें।



अभियान के माध्यम से छात्राओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के प्रति जागरूक करने तथा उनमें लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक जिम्मेदारियों की समझ विकसित करने का संदेश दिया गया।

12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 3

न्यूज इन शॉर्ट



छत्तीसगढ़ में शहरी परिवहन नए अध्याय की ओर, 240 ई-बसों से आरामदायक, किफायती और प्रदूषणमुक्त सफर

रायपुर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और कोरबा में 240 इलेक्ट्रिक बसों को सड़कों पर उतारने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में आज चारों नगर निगमों और चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इन चारों शहरों ने ई-बस संचालन शुरू करने की दिशा में आज बड़ा कदम बढ़ाया है। विभाग आगामी नवम्बर में बिलासपुर और भिलाई में 20-20 ई-बसों का संचालन प्रारंभ करने की तैयारी में है।

नागरिकों को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिलेगी

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नवा रायपुर में अपने निवास कार्यालय में आयोजित कंसेशन एग्रीमेंट हस्ताक्षर कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा स्वच्छ, हरित और विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। बढ़ते शहरीकरण के साथ यातायात, वायु प्रदूषण और ईंधन की खपत जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों से ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता और ध्वनि प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, दर्शनीय स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना जरूरी है। ई-बस सेवा से नागरिकों को बेहतर परिवहन विकल्प मिलेगा और शहरों को आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी। इसके लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। रायपुर में 100, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 50-50 तथा कोरबा में 40 बसें चलेंगी योजना के प्रथम चरण में रायपुर में 100, दुर्ग-भिलाई में 50, बिलासपुर में 50 और कोरबा में 40 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार नवम्बर-2026 तक भिलाई और बिलासपुर में प्रतीकात्मक रूप से 20-20 बसों का संचालन शुरू करने की योजना है।

मोबाइल स्कैनर से भुगतान और ऑनलाइन टिकट की सुविधा होगी यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक ई-बस में छह कैमरे लगाने का प्रावधान है। मोबाइल एप से बसों के रूट की जानकारी भी मिल सकेगी।

इलेक्ट्रिक बसों से कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिलेगी। वहीं, चार्जिंग स्टेशन, रखरखाव केंद्र और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कार्यक्रम में योजना के उद्देश्यों और संचालन की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहरों में बढ़ती आबादी और परिवहन की जरूरतों को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण आवश्यक है। योजना की सफलता के लिए चार्जिंग व्यवस्था, डिपो, बस-स्टॉप और रखरखाव केंद्र सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास, विभागीय समन्वय और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करना जरूरी है। उन्होंने नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप परिवहन सुविधाएं विकसित करने तथा संचालन की तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक श्री नीलेश महादेव क्षीरसागर, राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल और चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री पंकज गांधी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

युवा उड़ान 2026 : विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भागीदारी पर जोर

नशामुक्त भारत और साइबर अपराध जागरूकता के सेल्फी जोन बने आकर्षण का केंद्र

शासकीय लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय में आयोजित हुआ युवा उड़ान कार्यक्रम, साइबर सुरक्षा और करियर काउंसलिंग की मिली जानकारी

राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय हुए शामिल









एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में युवाओं को विकसित छत्तीसगढ़ एवं विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शासकीय लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय, सारंगढ़ में ÷युवा उड़ान 2026÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय भूषण पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को साइबर सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव एवं करियर काउंसलिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। युवाओं को डिजिटल युग में जागरूक और सतर्क रहने के साथ ही अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

नशामुक्त भारत के सेल्फी जोन में दिखा उत्साह

कार्यक्रम स्थल पर नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बनाए गए ÷मैं हूं नशामुक्त भारत÷ सेल्फी जोन ने जनप्रतिनिधियों और छात्र-छात्राओं का ध्यान आकर्षित किया। जनप्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों ने सेल्फी लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। इस पहल के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

साइबर अपराध से बचाव का दिया जागरूकता संदेश

वहीं पुलिस विभाग द्वारा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ÷मैं जागरूक हूं, साइबर क्राइम से मुक्त हूं÷ थीम पर विशेष सेल्फी जोन बनाया गया। यहां जनप्रतिनिधियों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सेल्फी ली तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया गया।

युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन देने के साथ ही नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता



ने विकसित छत्तीसगढ़ एवं विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत उन्हें पहली बार 15 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ

सेवा की कहानी : प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से मिला स्वरोजगार का संबल, बेहतर हुई जिंदगी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छोटे कारोबार से परिवार की जरूरतें पूरी करने और बच्चों को बेहतर भविष्य देने की चाह रखने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए अपना व्यवसाय शुरू करने हेतु पूंजी जुटाना एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने पाली नगर पंचायत के श्री महादेव पटेल जैसे छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहयोग देकर स्वरोजगार को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है। योजना के तहत मिले ऋण से महादेव पटेल ने अपने काम का विस्तार किया और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए।

लाभार्थी श्री महादेव पटेल पहले सीमित स्तर पर सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। आमदनी सीमित होने के कारण घरेलू जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने के लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत उन्हें पहली बार 15 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहायता का उपयोग उन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती सुलेखा पटेल के साथ ठेले पर फल की दुकान शुरू करने में किया। नियमित मेहनत और व्यवसाय से होने वाली आमदनी ने उनके परिवार को आर्थिक रूप से संबल दिया। कारोबार से आय बढ़ने के साथ घर की आवश्यकताओं को पूरा करना आसान हुआ और बच्चों की शिक्षा के लिए भी बेहतर अवसर उपलब्ध होने लगे।

श्री पटेल बताते हैं, ÷पहले छोटी-मोटी बिक्री से परिवार चलाने में काफी मेहनत करनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से 15 हजार रुपये का ऋण मिलने पर पत्नी के साथ फल का व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिला। इस काम से आमदनी बढ़ी और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत हुई। अब हम अपने बच्चों की पढ़ाई पर भी ध्यान दे पा रहे हैं और आत्मविश्वास के साथ अपना काम आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिनके नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से हम जैसे छोटे व्यापारियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।÷



नगर पंचायत पाली क्षेत्र में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से छोटे कारोबारियों को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर मिल रहा है। श्री प्रमोद पटेल बीज विक्रय का कार्य कर रहे हैं, श्रीमती गौरी प्रजापति सिलाई कार्य के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं और श्री रोशन पटेल पान दुकान का संचालन कर अपनी आजीविका मजबूत बना रहे हैं। स्वरोजगार से जुड़े इन प्रयासों के माध्यम से छोटे व्यापारी अपनी मेहनत को नियमित आमदनी में बदलते हुए परिवार की जरूरतों को पूरा करने और आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर के सीमावर्ती गांवों में सड़क संपर्क को मिल रही मजबूती

89.53 लाख रुपये की लागत से सिकरिमा-विदुरपुर सड़क का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर





मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के दूरस्थ एवं सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को मजबूत करने और आवागमन की सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सिकरिमा से विदुरपुर तक 2.5 किलोमीटर लंबी सड़क का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य 89 लाख 53 हजार रुपये की लागत से पूर्ण कर लिया गया है। सड़क के डामरीकरण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है। विशेष रूप से बरसात के दिनों में होने वाली परेशानियां दूर होने के साथ अब ग्रामीणों को बेहतर सड़क सुविधा का लाभ मिलेगा।

सिकरिमा से विदुरपुर मार्ग की स्थिति खराब होने के कारण ग्रामीणों को लंबे समय से आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर बारिश के मौसम में सड़क की खराब स्थिति के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती थी। इसका असर विद्यार्थियों, किसानों, मजदूरों और स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने वाले ग्रामीणों पर पड़ता था। अब सड़क का मरम्मत एवं डामरीकरण कार्य पूर्ण होने से ग्रामीणों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

ओडिशा सीमा से लगे गांवों में सड़क संपर्क हुआ मजबूत

जशपुर जिले का सिकरिमा-विदुरपुर मार्ग ओडिशा राज्य की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क के जीर्णोद्धार से सीमावर्ती गांवों का मुख्य मार्गों से संपर्क बेहतर होगा। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी।

बेहतर सड़क संपर्क से किसानों को अपनी कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों को दैनिक जरूरतों के लिए आवागमन करने में भी सहूलियत होगी। इसके साथ ही क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

बरसात में आवागमन की परेशानी से मिलेगी राहत

सिकरिमा से विदुरपुर तक सड़क का डामरीकरण कार्य पूर्ण होने से ग्रामीणों को विशेष रूप से बारिश के मौसम में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। पहले सड़क की खराब स्थिति के कारण दोपहिया और अन्य वाहनों के आवागमन में कठिनाई होती थी। अब सड़क की स्थिति बेहतर होने से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने, मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने तथा ग्रामीणों को आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन करने में सुविधा होगी।

लंबे समय से प्रतीक्षित सड़क का कार्य पूर्ण होने पर ग्रामीणों में खुशी

सिकरिमा से विदुरपुर तक सड़क का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में प्रसन्नता है। लंबे समय से बेहतर सड़क सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों को अब आवागमन में सहूलियत मिलेगी। सड़क के बेहतर होने से गांवों के बीच संपर्क मजबूत हुआ है और दैनिक जरूरतों के लिए आवाजाही आसान होगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के दूरस्थ, ग्रामीण एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सिकरिमा-विदुरपुर मार्ग का जीर्णोद्धार इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे ग्रामीणों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ने के साथ सीमावर्ती क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

लखपति दीदी पहल से झलक, झंकार और गायत्री सेवा महिला स्वसहायता समूहों को मिला स्वरोजगार का अवसर, दीपावली पर बढ़ती मांग से आय में हो रही वृद्धि

महिलाओं के हुनर से रोशन होंगे दीप, फूलबाती बनाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहीं बेमेतरा की महिलाएं

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

लखपति दीदी पहल से झलक, झंकार और गायत्री सेवा महिला स्वसहायता समूहों को मिला स्वरोजगार का अवसर, दीपावली पर बढ़ती मांग से आय में हो रही वृद्धि

दीपावली का पर्व नजदीक आते ही घर-आंगन को दीपों से रोशन करने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी बीच बेमेतरा जिले की महिला स्वसहायता समूहों की सदस्य अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। उनके हाथों से तैयार हो रही फूलबाती न केवल दीपावली के दीयों को रोशन करेगी, बल्कि महिलाओं के जीवन में आर्थिक खुशहाली और आत्मविश्वास का नया उजाला भी बिखेरेगी। लखपति दीदी पहल के अंतर्गत जिले के झलक, झंकार और गायत्री सेवा महिला स्वसहायता समूहों की महिलाएं फूलबाती निर्माण को आजीविका का साधन बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले में जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से महिला स्वसहायता समूहों को प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे महिलाएं अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ घर पर ही आय अर्जित करने के अवसर प्राप्त कर रही हैं।





समूह की महिलाओं को मशीन के माध्यम से रुई की फूलबाती बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण महिलाओं के लिए स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को मशीन के संचालन, रुई से फूलबाती तैयार करने की तकनीक, कच्चे माल के उपयोग तथा तैयार उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही समूह को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई, जिससे महिलाओं को मशीन एवं आवश्यक कच्चा माल खरीदने में मदद मिली। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद समूह की महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ फूलबाती निर्माण का कार्य शुरू किया। शुरुआत में महिलाओं के लिए यह एक नया अनुभव था, लेकिन निरंतर अभ्यास और सामूहिक प्रयासों से वे इस कार्य में दक्ष होती गईं।

12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 4

न्यूज इन शॉर्ट

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सांसद, विधायक और कलेक्टर ने किया पौधरोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उत्तर बस्तर कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम माहला में आयोजित सेवा सेतु शिविर के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक श्री विक्रम उसेंडी एवं कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री भोजराज नाग ने बरगद, विधायक श्री विक्रम उसेंडी ने कदम तथा कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आम का पौधा रोपित किया। जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पौधरोपण के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया। इस अवसर पर पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर जोर देते हुए पर्यावरण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ ही प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी गई।

सेवा सेतु शिविर बना राहत का सहारा, अमोदिनी विश्वास को नि:शुल्क नेत्र जांच के साथ मिला चश्मा

उत्तर बस्तर कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम माहला में आयोजित सेवा सेतु शिविर सह मेगा स्वास्थ्य शिविर जरूरतमंदों के लिए राहत और सुविधा का माध्यम बन रहा है। शिविर में पखांजूर तहसील के संगम बाजार पारा निवासी श्रीमती अमोदिनी विश्वास को नि:शुल्क नेत्र जांच के साथ चश्मा प्रदान किया गया, जिससे उन्हें बेहतर दृष्टि की दिशा में सहायता मिली।

श्रीमती अमोदिनी विश्वास शिविर में संचालित नेत्र जांच काउंटर पर पहुंचीं, जहां विशेषज्ञों द्वारा उनकी आंखों की जांच की गई। जांच के बाद उन्हें आवश्यकतानुसार नि:शुल्क चश्मा उपलब्ध कराया गया। शिविर में एक ही स्थान पर स्वास्थ्य जांच और आवश्यक सुविधा मिलने से उन्हें काफी सहूलियत मिली। श्रीमती अमोदिनी विश्वास ने बताया कि यदि उन्हें अपनी आंखों की जांच निजी चिकित्सक के पास जाकर करानी पड़ती, तो डॉक्टर की फीस और चश्मे के लिए पैसे खर्च करने पड़ते। लेकिन सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर में उनकी आंखों की जांच नि:शुल्क हुई और उन्हें चश्मा भी बिना किसी खर्च के मिल गया। इससे उनके पैसे और समय दोनों की बचत हुई।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार से संबलपुर निवासी राजेंद्र कुमार को मिली राहत

उत्तर बस्तर कांकेर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं और सेवा संकल्प अभियान आम लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम तरहुल में जिला स्तरीय सेवा सेतु अंतर्गत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में संबलपुर निवासी श्री राजेंद्र कुमार ने स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकों ने उनकी जांच कर आवश्यक परामर्श दिया और उपचार उपलब्ध कराया। शिविर में उन्हें नि:शुल्क दवाइयां भी प्रदान की गईं। राजेंद्र कुमार ने बताया कि शिविर के माध्यम से उन्हें अपने गांव के नजदीक ही स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा मिली। उपचार के साथ नि:शुल्क दवाइयां मिलने से उन्हें काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी हैं, क्योंकि इससे समय और धन दोनों की बचत होती है।ग्राम तरहुल में आयोजित जिला स्तरीय मेगा स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। ग्रामीणों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श, उपचार और दवाइयां प्रदान की गईं। शिविर का उद्देश्य दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। राजेंद्र कुमार ने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की पहल और सीएससीएस के सहयोग से खिलाड़ियों को प्रेरित करने आयोजित हुआ कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरलीन देओल ने हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से की मुलाकात, दिया मेहनत और आत्मविश्वास का मंत्र

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हरलीन देओल ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रायपुर आवासीय हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद किया और अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी से मिलकर अकादमी के बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उप मुख्यमंत्री तथ खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की पहल पर हरलीन देओल हॉकी अकादमी आई थीं। राज्य के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाली खिलाड़ी के अनुभवों से परिचित कराने तथा उन्हें अपने खेल जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करने हरलीन अकादमी पहुंची थीं।



खिलाड़ियों को दिया सफलता का मंत्र

हरलीन देओल ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने बच्चों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन के साथ नियमित अभ्यास करने और भारतीय टीम का हिस्सा बनकर देश के लिए खेलने का सपना देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, आप मेहनत कीजिए, अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से प्रयास कीजिए। भगवान भी आपकी मदद करेंगे। अपने ऊपर विश्वास रखिए और देश के लिए खेलने का सपना जरूर देखिए।

अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए हरलीन देओल ने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिभा के साथ कड़ी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है।

बस्तर के जैविक वनोपज को नई उड़ान :

माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र



बस्तर के जैविक वनोपज को नई उड़ान - माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वनोपज के लिए एनपीओपी प्रमाणन प्राप्त करने वाली प्रदेश की पहली महिला किसान उत्पादक कंपनी बनी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण, जैविक उत्पादों के संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में दंतेवाड़ा जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत गठित माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड को वनोपज के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अंतर्गत जैविक प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। यह प्रदेश में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित पहली किसान उत्पादक कंपनी है, जिसे वनोपज के लिए यह प्रमाणन मिला है। इस उपलब्धि से बस्तर के प्राकृतिक वनोपज को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की नई राह खुली है।

उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी से जुड़ी सभी महिलाओं और बिहान मिशन की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए स्थानीय संसाधनों, स्थानीय प्रतिभा और स्थानीय भागीदारी पर आधारित विकास मॉडल को आगे बढ़ा रही है। इस मॉडल में महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग प्रमुख आधार हैं। माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर की धरती प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है और यहां की महिलाएं पीढ़ियों से वनोपज के संग्रहण एवं संरक्षण का कार्य करती आ रही हैं। एनपीओपी प्रमाणन मिलने से उनके परिश्रम और पारंपरिक ज्ञान को औपचारिक पहचान मिलेगी। अब दंतेवाड़ा के प्रमाणित जैविक वनोपज को देश के बड़े बाजारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की संभावनाएं मजबूत होंगी। इससे संग्राहकों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलने और वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होने की उम्मीद है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जैविक प्रमाणन केवल उत्पादों की गुणवत्ता की पहचान नहीं है, बल्कि यह बस्तर की महिलाओं की मेहनत और सामूहिक उद्यमशीलता को नई पहचान दिलाने का माध्यम भी है। वनोपज के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे युवाओं और अधिक मजबूत होगी।

बेटियों के सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक बने गुलाबी रंग से सजे शौचालय, बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक दिया स्वच्छता का संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

शारदीय नवरात्र में जहां एक ओर पूरे प्रदेश में मातृशक्ति की आराधना की जा रही है, वहीं छत्तीसगढ़ सरकार बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और स्वच्छता के संकल्प को धरातल पर साकार कर रही है। नवरात्र के प्रथम दिन कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए निर्मित शौचालय बेटियों के सम्मान की एक सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशनदृग्रामीण (वीबी-जी रामजी) के अंतर्गत कोरबा जिले के पाली विकासखंड की ग्राम पंचायत नोनबिर्री और करतला विकासखंड की ग्राम पंचायत दादरकला में बालिका शौचालयों का निर्माण पूर्ण किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित 'मेरी बेटीदृमेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत ग्रामीण विद्यालयों में बालिकाओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। कोरबा जिले में पूर्ण हुए ये निर्माण कार्य इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं।



'मेरी बेटी-मेरा स्वाभिमान' के संदेश से सजे बालिका शौचालय

ग्राम पंचायत नोनबिर्री एवं दादरकला में निर्मित बालिका शौचालय को आकर्षक गुलाबी रंग और सुंदर चित्रकारी से सजाया गया है। भवन की दीवार पर बड़े अक्षरों में 'मेरी बेटीदृमेरा स्वाभिमान' का संदेश अंकित है। इसके साथ ही 'स्वच्छ रहें, सुरक्षित रहें' का संदेश भी दिया गया है। शौचालय के सामने खड़ी स्कूली बालिकाओं ने वीबी-जी रामजी के अक्षरों और स्वच्छता के प्रतीकों के माध्यम से योजना के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। बालिकाओं की यह सहभागिता दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और बेटियों के आत्मसम्मान के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हो रहा है।

नवरात्र में मातृशक्ति के सम्मान का साकार रूप नवरात्र का पर्व नारी शक्ति के सम्मान और आराधना का प्रतीक है। ऐसे अवसर पर बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण पूर्ण होना विशेष महत्व रखता है। विद्यालयों में अलग बालिका शौचालय की उपलब्धता छात्राओं की निजता, स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। विशेष रूप से किशोरावस्था में बालिकाओं के लिए ऐसी सुविधाएं उनकी गरिमा और आत्मविश्वास को बनाए रखने में सहायक होती हैं। इससे विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति और पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

किसान समृद्धि योजना से मनोज के खेतों में आई हरियाली, बढ़ी खुशहाली

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने के साथ आजीविका के नए अवसर भी विकसित हो रहे हैं। इसी क्रम में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम कोरवा निवासी किसान श्री मनोज कुमार छेदैया कृषि क्षेत्र में आए सकारात्मक परिवर्तन का उदाहरण हैं। कृषि विभाग की किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत नलकूप खनन एवं पंप स्थापना के लिए प्राप्त 43 हजार रुपए की अनुदान सहायता ने उनकी खेती को नई दिशा दी है। सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने से अब उनके खेतों में सालभर फसल उत्पादन की संभावनाएं बढ़ी हैं और कृषि से होने वाली आमदनी में भी वृद्धि हुई है।

किसान श्री छेदैया के पास लगभग चार एकड़ कृषि भूमि है। पहले सिंचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें खेती के लिए मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता था। वर्षा की अनिश्चितता और समय पर पानी नहीं मिलने से फसलों का उत्पादन प्रभावित होता था। विशेषकर खरीफ सीजन के बाद अन्य फसलों की खेती करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। सीमित सिंचाई सुविधा के कारण वे अपनी कृषि भूमि का समुचित उपयोग नहीं कर पा रहे थे, जिससे परिवार की आमदनी भी सीमित थी।



नई शुरुआत

निर्माण कार्यों की होगी कड़ी मॉनिटरिंग, फील्ड पर प्रगति जांचने होंगे औचक निरीक्षण

बरसात के बाद निर्माण कार्यों को मिली रफ्तार, गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की पूरी तैयारी है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। काम की प्रगति अब केवल दफ्तरों की रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरकर निर्माण की वास्तविक स्थिति परखेंगे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ औचक निरीक्षण से भी गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद जिले का दौरा कर सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।



सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माणाधीन परियोजनाओं की जमीनी स्थिति देखी। उन्होंने फिंगेश्वर विकासखंड में कोपरा-पोखरा मार्ग के 26.20 किलोमीटर लंबे मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना में पुल-पुलियों के निर्माण कार्य भी शामिल हैं। उन्होंने राजिम में नवीन मेला स्थल चौबेबांधा से लक्ष्मण झूला तक 3.50 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण की प्रगति भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली और निर्माण में गुणवत्ता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

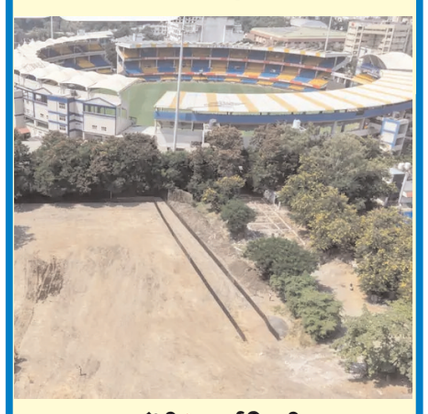
सड़क परियोजनाओं के साथ सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद में निर्माणाधीन शासकीय भवनों का भी जायजा लिया। उन्होंने व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों के लिए बनाए जा रहे दो डी-टाइप आवासगृहों, जिला परिवहन कार्यालय भवन तथा 40 जीएडी आवासगृहों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सचिव श्री बंसल गरियाबंद जिले के बिंद्रानवागढ़ क्षेत्र के दुर्गम इलाकों में भी पहुंचे। उन्होंने कसाबाय-पतोरा दादर मार्ग के आरडी 135 में चचंगी नाला पर निर्मित पुल एवं पहुंच मार्ग का निरीक्षण किया। यह कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने कसाबाय-सातधार मार्ग में हलफली नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित इन परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली।

मैदानी निरीक्षण के बाद सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए काम में आ रही समस्याओं और बाधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों को गति देने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। बरसात के बाद निर्माण कार्यों में तेजी लाने विभागीय अमले को सक्रियता से काम करना होगा। कार्यों की सतत निगरानी और वरिष्ठ अधिकारियों के मैदानी निरीक्षण से निर्माण की वास्तविक प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 5

इंदौर पहुंचीं भारत-वेस्टइंडीज की टीमें, फैंस पर चढ़ा क्रिकेट रंग



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले को लेकर इंदौर में क्रिकेट का रंग चढ़ने लगा है।स्टेडियम के बाहर दुकानों पर टीम इंडिया की जर्सी, टी-शर्ट और कैप सज गई हैं। क्रिकेट प्रेमी खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं शनिवार को दोनों टीमों के खिलाड़ी चार्टर्ड फ्लाइट से इंदौर पहुंचे।यरपोर्ट से खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच चार्टर्ड बसों से होटल ले जाया गया। भारतीय टीम रेडिसन और वेस्टइंडीज की टीम मैरियट होटल में ठहरी है।मैच से पहले खिलाड़ियों की सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दोनों टीमों के अभ्यास के लिए दो पिच तैयार की गई हैं। कोच गौतम गंभीर होलकर स्टेडियम पहुंचे और उन्होंने पिच देखी। वेस्टइंडीज टीम की तरफ से अभी तक कोई पिच देखने नहीं पहुंचा है।

भारतीय टीम रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में ठहरी

भारतीय टीम रेडिसन होटल में ठहरेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम के लिए मैरिएट होटल में व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों की आवाजाही, सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मैदान के बाहर भी तैयार कीं दो पिचें

भारत और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के अभ्यास को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बल्लेबाजों की नेट प्रैक्टिस के लिए मैदान के बाहर अमय खुरासिया एकेडमी में दो पिचें तैयार की गई हैं।इन्हें होलकर स्टेडियम की पिचों के समान परिस्थितियां देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि बल्लेबाजों को अभ्यास के दौरान मैच जैसी स्थिति मिल सके।

चैम्पियन शूटर नीरू ढांडा के घर लगा टीवी



गरीबी के कारण जिस घर में 36 साल तक टीवी तो दूर, रेडियो तक नहीं था, वहां अब खुशियों की नई तस्वीर है. एशियन गेम्स 2026 में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जी.

सहवाग बोले- वैभव सूर्यवंशी में मेरी सोच दिखती है



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।'दिल्ली में शनिवार को PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सत्र में सहवाग ने सूर्यवंशी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए खेलने का मौका मिलने पर सूर्यवंशी उसका पूरा फायदा उठा सकते हैं।सहवाग ने यह भी कहा कि भारतीय क्रिकेट में उनकी जगह उम्र से नहीं, प्रदर्शन से तय होनी चाहिए।

सहवाह ने सूर्यवंशी के उम्र की चिंताओं को खारिज किया

सहवाग ने सूर्यवंशी की उम्र को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उम्र की सीमा केवल उम्र-आधारित प्रतियोगिताओं में मायने रखती है।सहवाग ने कहा- 'अगर आप किसी उम्र-आधारित प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो यह बात सही है। अगर अंडर-19 है, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए।'

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए तीसरे वनडे के बाद 8 खिलाड़ी हटेंगे

न्यूजीलैंड की वनडे टीम में रचिन-चापमैन की वापसी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए 21 सदस्यीय टीम घोषित की है। चोट के कारण टी-20 सीरीज से बाहर रहे रचिन रवींद्र और मार्क चापमैन की वनडे टीम में वापसी हुई है।कप्तान मिचेल सैंटनर समेत 6 खिलाड़ी पूरी सीरीज खेलेंगे, जबकि 8 खिलाड़ी शुरुआती 3 वनडे के बाद टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए लौट जाएंगे। आखिरी 2 वनडे के लिए 7 नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया जाएगा।न्यूजीलैंड के हेड कोच रोब वाल्टर ने वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को तीन समूहों में बांटा है। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद न्यूजीलैंड को 2 टेस्ट मैच भी खेलने हैं।



रचिन और चापमैन चोट से उबरकर लौटेंगे

रचिन रवींद्र अक्टूबर में एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान कैच लेने के लिए डाइव लगाते समय कंधा खिसका बैठे थे। इस वजह से वे टी-20 सीरीज के लिए चयन के उपलब्ध नहीं थे। वहीं, मार्क चापमैन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी-20 टीम में जगह नहीं बना सके। दोनों अब वनडे सीरीज से वापसी करेंगे।फिन एलेन, लॉकी फर्ग्यूसन और टीम सीफर्ट को आखिरी 2 वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया है। ये तीनों पिछले 18 महीनों से न्यूजीलैंड की वनडे टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। इस दौरान उन्होंने प्रोफेशनल टी-20 लीग में खेलने को प्राथमिकता दी।कोच रोब वाल्टर ने कहा कि 21 खिलाड़ियों को मौका मिलना न्यूजीलैंड की बेंच स्ट्रेंथ को दिखाता है।ने टी-20 फॉर्मेट में अपनी क्षमता दिखाई है।

व्यापार

मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।

कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला

कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स्-क्रॉस्स्ह्लाश से लेकर प्रीमियम स्क्रॉस्स् इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें ?3.50 लाख से शुरू होकर ?25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपने किसी भी बड़े बिजनेस फैसले, मुनाफे, नुकसान या कीमतों में बदलाव की जानकारी %सेबी% या स्टॉक एक्सचेंज को दें। इसी आधिकारिक दस्तावेज को रेगुलेटरी फाइलिंग कहते हैं। इनपुट कॉस्ट्- किसी भी कार को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (जैसे स्टील, प्लास्टिक, एल्युमिनियम, रबर और इलेक्ट्रॉनिक्स) की कुल लागत को इनपुट कॉस्ट कहा जाता है।

सेंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंद:निफ्टी भी 191 अंक फिसलकर 23996 पर आया;

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, ढ्ढञ्ज, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए। को इस तिमाही में 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 6,123.93 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इसके अलावा, मार्च तिमाही में भी इस तेल मार्केटिंग कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

94 डॉलर पर पहुंचा कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड में आज करीब 3त्न की तेजी है। ये 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जो सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार रहा इंडेक्स लेवल पॉइंट चेंज परसेंट चेंज

कोस्पी (साउथ कोरिया)	6798	+50	+0.74त्न
निक्केई (जापान)	66116	-117	-0.18त्न
हैंगसेंग (हॉन्गकॉन्ग)	24893	-240	-0.95त्न

21 जुलाई को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
डाउ जोन्स	52225	+385	+0.74त्न
नैस्डैक	25837	+329	+1.29त्न
स्×क्500	7509	+66	+0.89त्न



7 दिन में विदेशी निवेशकों ने ?4,660 करोड़ के शेयर खरीदे

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी।

बोनस शेयर का प्लान टला; पहली तिमाही में मुनाफा 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा

रिजल्ट के बाद पेटीएम का शेयर 4प्रतिशत फिसला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को गिरावट रही। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5त्न से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिर गया। ये 3.86त्न नीचे ?1295 पर बंद हुआ।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79त्न बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पेटीएम ने 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस ?2,150 से नीचे है। 30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28त्न बढ़कर ?2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में ?1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा है।

कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को ?123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में ?183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम मनी में ?100 करोड़ के निवेश को मंजूरी

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी पेटीएम मनी में राइट्स इश्यू के जरिए ?100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

आईपीओ के बचे 1,686 करोड़ के इस्तेमाल का प्लान बदला

कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है।

कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

बोनस शेयर का प्लान क्यों टला?

कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव टाल दिया है। बोर्ड ने कहा कि लॉन्ग-टर्म शेयरहोल्डर वैल्यू के नजरिए से प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के बाद यह फैसला लिया गया है।बोर्ड का मानना है कि कंपनी को अभी अपनी ग्रोथ बढ़ाने और प्रॉफिटेबिलिटी को और मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि शेयरधारकों के लिए बेहतर वैल्यू क्रिएट हो सके। के बिजनेस हेड हर्षल दसानी के मुताबिक, पेटीएम का क्ता स्रङ्ख27 रिजल्ट इस बात का साफ सबूत है कि कंपनी अब टर्नअराउंड फेज से निकलकर प्रॉफिटेबिलिटी फेज में आ चुकी है। 28त्न की रेवेन्यू ग्रोथ के साथ ?203 करोड़ का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही श्वञ्चह्लङ्घष्ठ और ?220 करोड़ का मुनाफा दिखाता है कि कंपनी का कॉस्ट स्ट्रक्चर अब मजबूत हो चुका है। अब बढ़ता रेवेन्यू सीधे मुनाफे में बदल रहा है।

अडाणी एनर्जी का मुनाफा 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़:पहली तिमाही में रेवेन्यू 42त्न चढ़ा;

एजेंसी ➤ मुंबई

अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा यानी 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कंपनी की कुल कमाई में तेज बढ़ोतरी और रेगुलेटरी डेफरल इनकम में आए पॉजिटिव बदलाव से नतीजों को मजबूती मिली है। नतीजों की घोषणा के बाद अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर दोपहर के कारोबार में 3त्न चढ़कर 1,781.2 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, यह 1,737 रुपए पर बंद हुआ।

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 42त्न बढ़ा

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 42.4त्न बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,819 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेशनल मुनाफा (श्वञ्चह्लङ्घष्ठ) 30त्न बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, श्वञ्चह्लङ्घष्ठ मार्जिन में मामूली गिरावट देखी गई और यह पिछले साल के 33.9त्न से घटकर 31त्न पर आ गया।

कंपनी को रेगुलेटरी इनकम का मिला फायदा

कंपनी ने पहली तिमाही में 29 करोड़ रुपए की रेगुलेटरी डेफरल इनकम दर्ज की है। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 504 करोड़ रुपए का रेगुलेटरी डेफरल खर्च उठाना पड़ा था। इस पॉजिटिव बदलाव ने कंपनी के नेट मुनाफे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

कंपनी के बिजनेस सेगमेंट का परफॉर्मेंस

कंपनी के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट्स में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है॰

ट्रांसमिशन बिजनेस॰ कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 52.4त्न की भारी बढ़ोतरी के साथ 3,335.3 करोड़ रुपए पहुंच गया।

डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस॰ इस सेगमेंट से रेवेन्यू 5त्न बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए हो गया।

स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस॰ इसमें 200त्न से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई और रेवेन्यू 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म॰ इस प्लेटफॉर्म से होने वाला रेवेन्यू 9 गुना से ज्यादा उछलकर 1,906.8 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 6



पर्यावरणीय नक्शे पर अतिक्रमण

एंटी हेलगन के इस्तेमाल पर लगी अदालती रोक के अर्थ समझने होंगे। यह बागबानी क्षेत्र के अनुसंधान तथा बचाव के सामने आया ऐसा आदेश है जो पर्यावरण संरक्षण की कुंडियां खोल रहा है। पर्यावरणीय संतुलन के खिलाफ विज्ञान का स्वार्थी रुख कई बार सामुदायिक मुसीबतें खड़ी कर देता है। इस मामले में भी गरजती हेलगन द्वारा खदेड़े गए बादलों ने कहीं अन्यत्र खिसक कर भारी बारिश कर दी। इस तरह कहीं की आद्रता कहीं पहुंच गई। बहरहाल आपदा के दुष्चक्र की निशानी में हेलगन का विकल्प रोका जा रहा है। करीब पंद्रह सालों से हेलगन एक उपाय बन कर सेब आर्थिकी के जख्म पौंछ रही थी, लेकिन विज्ञान आधारित उपकरण ने बादलों के सिर मूंड कर कहीं ओले बरसा दिए। विज्ञान के सामने प्रकृति का पारंपरिक स्वभाव अगर विचलित होता है, तो एक फसल बचाते-बचाते हम कई अन्य उजाड़ देंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में बागबानी विश्वविद्यालय को अपने अनुसंधान के तर्क में आगे बढऩे की राह खोजनी होगी। हिमाचल में विकास के हर पहलू का असर पर्यावरण के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। यह शहरीकरण, परिवहन, पर्यटन तथा आवासीय बस्तियों के विस्तार में दर्ज हो रहा है। हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण का मुख्यालय जैसे ही धर्मशाला पहुंचा है, निर्माण की सुर्खियां बदलने लगी हैं। आवासीय मांग से प्लॉटिंग में आई तेजी ने बता दिया कि इस क्षेत्र के नुक्ते गैर कानूनी है।पर्वतीय व भौगोलिक स्थिति के अन्वेषण के बिना जमीनें बिक रही हैं, तो पड़ताल जरूरी है। पहले ही खड्डों-नालों के करीब बसे लोग आपदाओं से दो चार हो रहे हैं, तो अब नई बस्तियों के नाम पर ऐसी कोताही रोकनी होगी। खैर रेरा की फाइलों ने नवनिर्माण के घातक चिन्ह खोजने में कड़ा रुख अख्तियार किया है, तो कुछ परियोजनाओं पर विराम लगा है। यहां रेरा की तर्ज पर शहरी विकास योजनाओं को विकास से सुदृढ़ कदम लेने में निकायों के हाथ मजबूत करने होंगे, जबकि हिमुडा के तहत हुए मांग सर्वेक्षणों के आधार पर नए विकल्प तैयार करने पड़ेंगे। पर्यावरण सुरक्षा का एक दबाव शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कूड़ा-कर्कट प्रबंधन से जुड़ा विषय भी है। पूरे प्रदेश की तस्वीर से रिसता टनों कचरा आज पर्यावरणीय दृष्टि से खतरनाक सिद्ध हो रहा है, जबकि शहरी परिवेश के करीब से बहती नदियों, नालों, खड्डों या कूहलों पर हुए अतिक्रमण ने स्थिति को और विकराल कर दिया है। प्रदेश में पर्यावरण के नक्शे पर विकास का अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, तो जेसीबी मशीनों ने नवनिर्माण की मान्यताएं ही तोड़ दी हैं। शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों की कैरिंग कैपेस्टी के खिलाफ निर्माण के अलावा बढ़ती जनसंख्या या पर्यटक आमद का विश्लेषण करना पड़ेगा। अभी हाल ही में लंबे सप्ताहांत के कारण पर्यटन का एक रेला पहाड़ों की व्यवस्था के खिलाफ साबित हुआ। धर्मशाला के त्रियूंड तक इस दौरान ट्रैकिंग की भीड़ ने मकसद और सुकून दोनों ही धराशाई नहीं किए, बल्कि पर्यावरणीय ऊर्जा भी तहस नहस की। पर्यटन उद्योग के फैलते पंजों पर यदा कदा एनजीटी भी सख्त निर्देश देता है, लेकिन राज्य ने आज तक इस दृष्टि से स्पष्ट दिशा निर्देश और खाके नहीं बनाए।

(एक नजर)

मंगल के नक्षत्र में सूर्य गोचर

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के राजा सूर्य देव का स्थान बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ-साथ उनके नक्षत्र गोचर का प्रभाव भी सभी 12 राशियों के जीवन पर सीधा असर डालता है। 11 अक्टूबर को सूर्य देव अपनी स्थिति में बदलाव करते हुए मंगल के स्वामित्व वाले चित्रा नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। इस नक्षत्र परिवर्तन से अगले 14 दिनों तक यानी 24 अक्टूबर तक कुछ चुनिंदा राशियों के जातकों को चौतरफा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।जब भी सूर्य ग्रह ऊर्जा के कारक मंगल के नक्षत्र में गोचर करते हैं, तो जातकों के आत्मबल और नेतृत्व क्षमता में जबरदस्त वृद्धि होती है। इस अवधि में व्यक्ति बिना किसी हिचकिचाहट के साहसी निर्णय लेते हैं, जिससे उन्हें करियर, बिजनेस और प्रॉपर्टी के मामलों में बंपर सफलता हाथ लगती है। आइए जानते हैं कि सूर्य के इस महत्वपूर्ण नक्षत्र गोचर से किन 5 भाग्यशाली राशियों की किस्मत चमकने वाली है-मेष राशिः सूर्य का यह नक्षत्र गोचर मेष राशि के जातकों के लिए आत्मविश्वास में जबरदस्त बढ़ोतरी लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी और नई जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मोर्चे पर भी राहत मिलने के पूरे आसार हैं।

विचार

आंदोलन का मौसम

गुरमीत बेदी

लेखक

अब मौसम विभाग को भी अपनी जिम्मेदारी बढ़ा लेनी चाहिए। तापमान और बारिश के साथ यह भी बताना चाहिए कि आज शहर में आंदोलन का तापमान कितना रहेगा। कहां धरना होगा, कहां चक्का जाम होगा और किस रास्ते से निकलने पर आम आदमी की शाम घर पहुंचने से पहले ही रात हो जाएगी। हमारे यहां आंदोलन भी अब मौसम की तरह मौसमी हो गए हैं। चुनाव नजदीक आते ही इनकी रफ्तार वैसे ही बढ़ जाती है जैसे गर्मी में बिजली का बिल। आंदोलन शुरू होते ही सबसे पहले माइक आता है, फिर बैनर, फिर नारे और अंत में नेता जी। नेता जी आते ही जनता के दुख-दर्द को इतनी गंभीरता से बताते हैं जैसे कल ही उन्हें इस देश में पैदा किया गया हो।

गर्मी का मौसम अब जाने लगा है। आंदोलन का मौसम दस्तक दे चुका है। पहले गर्मी ने परेशान किया। गर्मी के बीच लगने वाले बिजली कट ने परेशान किया। फिर हर महीने भारी भरकम बिजली के बिलों ने परेशान किया। अब आंदोलन का मौसम परेशान करने वाला है। आंदोलन के मौसम में भले ही कई दलों के राजनीतिक नेताओं की चांदी हो जाए लेकिन हमारे जैसे आम आदमी को आंदोलन के दौरान कभी सडक़ जाम तो कभी सरकारी बसों की हड़ताल से जूझना पड़ता है। जब जब आंदोलन होते हैं आम आदमी के मुख से यही निकलता है किज्इस आंदोलन ने बड़ा दुख दीना!' अब मौसम विभाग को भी अपनी जिम्मेदारी बढ़ा लेनी चाहिए। तापमान और बारिश के साथ यह भी बताना चाहिए कि आज शहर में आंदोलन का तापमान कितना रहेगा। कहां धरना होगा, कहां चक्का जाम होगा और किस रास्ते से निकलने पर आम आदमी की शाम घर पहुंचने से पहले ही रात हो जाएगी। हमारे यहां आंदोलन भी अब मौसम की तरह मौसमी हो गए हैं। चुनाव नजदीक आते ही इनकी रफ्तार वैसे ही बढ़ जाती है जैसे गर्मी में बिजली का बिल। आंदोलन शुरू होते ही सबसे पहले माइक आता है, फिर बैनर, फिर नारे और अंत में नेता जी। नेता जी आते ही जनता के दुख-दर्द को इतनी गंभीरता से बताते हैं जैसे कल ही उन्हें इस देश में पैदा किया गया हो। कैमरा सामने आते ही आवाज में क्रांति उतर आती है- 'हम जनता के साथ हैं!' आम आदमी मन ही मन पूछता है- साहब, जनता के साथ हैं तो रास्ता भी जनता के लिए छोड़ दीजिए। मगर यह सवाल पूछने का समय किसके पास है? नेता जी को भाषण देना है, कार्यकर्ताओं को नारे लगाने हैं और पुलिस को बैरिकेड संभालने हैं। फंसना सिर्फ आम आदमी को है।



अस्पताल जाने वाला मरीज, स्कूल से लौटता बच्चा, नौकरी पर जाने वाला कर्मचारी और दुकान खोलने वाला दुकानदार- सब लोकतंत्र की इस महान कवायद में अनजाने प्रतिभागी बन जाते हैं। आंदोलनकारी कहते हैं- 'हम जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं।' सडक़ पर फंसा आम आदमी सोचता है- 'भाई, लड़ाई मेरी है तो कम से कम मुझे घर तो जाने दो!' सरकारों का भी आंदोलन से निपटने का अपना विज्ञान है। पहले ज्ञापन लो, फिर आश्वासन दो, फिर कमेटी बनाओ। कमेटी अध्ययन करेगी, अध्ययन के बाद रिपोर्ट आएगी और रिपोर्ट आने तक अगला आंदोलन शुरू हो जाएगा। इस तरह समस्या भी जीवित रहती है और राजनीति भी। विपक्ष में बैठा नेता आंदोलन को लोकतंत्र की आवाज बताता है और सत्ता में आते ही वही आंदोलन उसे कानून-व्यवस्था का संकट दिखाई देने लगता है। राजनीति में कुर्सी सचमुच बहुत शक्तिशाली वस्तु है, कुर्सी बदलते ही विचारधारा का चश्मा भी बदल जाता है। आजकल आंदोलन का एक डिजिटल रूप भी आ गया है। पहले नारे दीवारों पर लिखे जाते थे, अब सोशल मीडिया पर हैशटैग चलते हैं। धरना स्थल पर जितने लोग हों उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वीडियो कितने लोगों ने देखा। क्रांति अब लाइव होती है और कभी-कभी रील बनकर अगले दिन तक खत्म भी हो जाती है। मगर असली समस्या वहीं रहती है- महंगाई, बेरोजगारी, बिजली के बिल, सडक़ें और आम आदमी की रोजमर्रा की परेशानियां। हमें आंदोलन से कोई शिकायत नहीं। लोकतंत्र में विरोध जरूरी है और सरकार को जनता की आवाज सुननी भी चाहिए। लेकिन एक विनम्र सुझाव जरूर है- जनता की लड़ाई लड़ते समय जनता को ही बंधक न बनाया जाए। सरकार के खिलाफ नारे लगाइए, ज्ञापन दीजिए, धरना दीजिए, बैरिकेड हिलाइए, मगर आम आदमी के लिए एक लेन खुली छोड़ दीजिए। क्योंकि नेता जी का आंदोलन खत्म

विचार

औद्योगिक प्रदूषण -एक खतरनाक बुराई

कुलभूषण उपमन्यु

लेखक

श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है। इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं। इसमें आरा मशीनें, पारंपरिक शिल्प और छोटे मसाला पिसाई इकाइयां आती हैं। इनके लिए स्वीकृतियां तो चाहिए होती हैं, किन्तु लंबे समय तक स्वीकृति प्रदान की जाती है।

वर्तमान सभ्यता मूलतः औद्योगिक सभ्यता है। दैनिक जरूरतों के सामानों से लेकर सब तरह के ऊर्जा, सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण आदि से संबंधित सामान और उपकरण बड़े पैमाने पर उद्योगों में ही बनाना संभव है। इसलिए दुनिया भर में उद्योगों की स्थापना की होड़ लगी रहती है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं औद्योगीकरण पर ही टिकी हुई हैं, इसलिए कोई भी उद्योगों से पैदा होने वाली पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय समस्याओं पर बोलना नहीं चाहता। लेकिन हर सहनशीलता की भी एक सीमा है। उद्योग एक ओर रोजगार देकर आम आदमी को राहत देते हैं, तो दूसरी ओर हवा, पानी, मिट्टी को प्रदूषित करके जीवनयापन की स्थितियों को बीमारियों के भंवर में फंसा देते हैं। पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान के आधार पर उद्योगों को शून्य से एक सौ के स्केल से मापा जाता है। 60 सूचकांक से ज्यादा प्रदूषक उद्योगों को लाल सूची में डाला गया है। सीमेंट, खनिज तेल रिफाइनरी, बड़े स्तर का खनन, ताप विद्युत परियोजनाएं और रासायनिक उत्पादन इकाइयों को इस श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है। इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं। इसमें आरा मशीनें, पारंपरिक शिल्प और छोटे मसाला पिसाई इकाइयां आती हैं। इनके लिए स्वीकृतियां तो चाहिए होती हैं, किन्तु लंबे समय तक स्वीकृति प्रदान की जाती है। चौथी श्रेणी श्वेत श्रेणी है। 0 से 20 प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग इसमें आते हैं। इसमें सौर ऊर्जा प्लांट, वायु ऊर्जा प्लांट और बाईसिकल असेंबली जैसे उद्योग आते हैं। इनके लिए स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं है, केवल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सूचना मात्र देनी होती है। हिमाचल में बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़ में सबसे ज्यादा उद्योग स्थापित हैं। करीब 3000 इकाइयां यहां स्थापित हैं जिनमें से 380 लाल श्रेणी की, 1400 संतरी श्रेणी की हैं। इनमें से 500 के लगभग इकाइयां जहरीली गैसें वातावरण में छोड़ रही हैं। कुछ के पास तो प्रचालन स्वीकृतियां भी नहीं हैं। अधिकांश अपशिष्ट उपचार संयंत्र कम क्षमता के हैं या अकुशल हैं। शिवालिक अपशिष्ट प्रबन्धन प्लांट भी मनमर्जी से काम करता है। कई उद्योगों पर प्रदूषित पदार्थों को जमीन में पंप करके डाल देने का आरोप है। यह राज्य के अंदर और पड़ोसी राज्यों में भी स्वास्थ्य से बड़े खिलवाड़ का मामला है। अतः पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यह औद्योगीकरण के अंध विरोध का भी मामला नहीं है। किन्तु टिकाऊ और जन अभिमुख विकास के लिए औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण होना ही चाहिए, वरना विकास का अर्थ ही अनर्थ में बदल जाता है। यहां से प्रदूषित वायु और जल पंजाब को भी प्रभावित कर रहा है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच के बाद हिमाचल के बोर्ड को लिखा भी है कि इस क्षेत्र का प्रदूषित अपशिष्ट सतलुज तक पहुंच रहा है। अवैध डंपिंग से रिस कर कुछ अपशिष्ट सिरसा नदी को प्रदूषित कर रहा है जिसका असर हरियाणा तक हो रहा है। औद्योगिक अपशिष्ट को इस तरह स्वास्थ्य के लिए खतरा बनने नहीं दिया जा सकता।गत दिनों हिमालय नीति अभियान और उससे जुड़े हुए कई संगठनों ने नालागढ़ में विरोध प्रदर्शन करके अपनी चिंता प्रकट की और प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर इस स्थिति को सुधारने की मांग की है। अभियान के संयोजक गुमान सिंह ने बताया कि कुछ इकाइयों के आसपास तो बदबू से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। उद्योगों में हिमाचल के 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 68650 लोगों को काम मिला है, शेष करीब 26000 कर्मचारी बाहरी राज्यों से हैं। किन्तु इसके बदले पर्यावरणीय बर्बादी और स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष और परोक्ष खतरे को फैलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। गत दिनों कुछ शोध सामने आए हैं जिनसे पता चला है कि हिमाचल में स्वास्थ्य की स्थितियां चिंताजनक होती जा रही हैं। विशेषकर कैंसर जैसे रोगों का फैलाव राष्ट्रीय औसत से ज्यादा हो गया है। बीबीएन में काम करने वाले मजदूर या अन्य कार्यकर्ता भी इस दंश से बचे नहीं हैं। अशुद्ध जल के कारण पीलिया जैसे रोग आम हैं जिसकी चपेट में आकर कई जान गंवा चुके हैं। औद्योगिक कार्यकर्ताओं के लिए इलाज की भी उचित व्यवस्थाएं नहीं हैं जिसके चलते मुश्किल से न्यूनतम मजदूरी पर काम करने वाले महंगे इलाज तक पहुंच ही नहीं पाते। बीबीएन विकास योजना में ही उद्योग, बौय्लर, गैसों का उत्सर्जन, अपशिष्ट जलाना और रासायनिक कणों के उत्सर्जन को वायु प्रदूषण का कारण माना गया है, जिससे खांसी, गले में खराश, बलगम, श्वास, ब्रोंकाईटिस, अन्य श्वसन संबंधी रोग, फेफड़ों के कार्य में कमी, आंखों में जलन जैसे रोगों में वृद्धि हुई है। 2026 के एक वैज्ञानिक अध्ययन में 50 भूजल के नमूनों का अध्ययन किया गया था, जिसमें 78 फीसदी नमूनों में जल पीने योग्य नहीं पाया गया।



विचार

पहियों पर सपनों का घर

संदीप कुमार सिंह

लेखक

आज बड़े महानगर हों या छोटे शहर, सिर पर छत की कीमत आम इंसान की पहुंच से बाहर होती जा रही है। बड़े-बड़े टावरों और गगनचुंबी इमारतों के इस दौर में हर कोई 20-30 साल के होम लोन की ईएमआई, महंगे किराये और तंग झुग्गियों के दुष्चक्र में खुद को फंसा महसूस करता है। लेकिन दुनिया के एक शहर ने अपने अनोखे प्रयोग से इस समस्या से निकलने की राह सुझाई है जिससे बेघर लोगों को सम्मानजनक जिंदगी और घर दोनों मुहैया कराई जा सकती है।

शहरों की आबोहवा में आज तरक्की की चमक कम और बेबसी का धुआं ज्यादा दिखता है। मुंबई की झुग्गी-झोपड़ियों की पतली गालियों से लेकर दिल्ली और न्यूयॉर्क की सड़कों पर फुटपाथ पर सोते बेघर लोगों तक- दुनिया का हर बड़ा शहर एक ही गंभीर बीमारी से जूझ रहा है- शहरी आवास संकट। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि दुनिया की 1 अरब से अधिक आबादी झुग्गियों या असुरक्षित बस्तियों में रहने को मजबूर है, और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। कंक्रीट के आसमान छूते टावर खड़े तो हो रहे हैं, लेकिन आम इंसान के लिए 20-30 साल के भारी-भरकम होम लोन की ईएमआई चुकाए बिना सिर पर पक्की छत पाना एक नामुमकिन सपना बनता जा रहा है।



इसी घुटन और कंक्रीट के जंजाल के बीच से एक नया रास्ता निकला है- पहियों पर दौड़ते छोटे, सुंदर और टिकाऊ आशियाने। अमेरिका के ओरेगन प्रांत में बसे पोर्टलैंड शहर ने इस दिशा में एक ऐसी मिसाल कायम की है कि आज उसे दुनिया भर में %सिटी ऑफ टायनी हाउसेस% के रूप में जाना जाने लगा है। पोर्टलैंड ने यह साबित कर दिखाया है कि अगर इरादा मजबूत हो और सोच लीक से हटकर हो, तो बिना जमीन खरीदे और बिना जिंदगी भर का कर्ज लिए भी एक इंसान बेहद गरिमापूर्ण, आधुनिक और लग्जरी जिंदगी जी सकता है।

पोर्टलैंड का यह %मोबाइल ड्वेलिंग एक्सपेरिमेंट% किसी सरकारी लापरवाही का नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीतियों का नतीजा है। जब पारंपरिक घर बनाना बेहद महंगा हो गया, तो पोर्टलैंड सिटी काउंसिल ने 2021 में अपने जोनिंग बाय-लॉ में एक क्रांतिकारी बदलाव किया। शहर ने कानूनी रूप से 'टायनी हाउसेज ऑन व्हील्स' को मुख्य मकानों के बैकयार्ड या खाली पड़े प्लॉट्स पर रिहायशी तौर पर इस्तेमाल करने की पूरी अनुमति दे दी। यानी, मकान मालिक अपने खाली आंगन में किराए पर छोटा घर रखने के लिए स्वतंत्र हो गए।

इस अनोखे प्रयोग का असर क्या हुआ? ताजा शोध बताती है कि पोर्टलैंड के कई रिहायशी इलाकों में 2020 के मुकाबले 2026 तक मोबाइल टायनी घरों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है। पिछले 6 वर्षों में जहां महंगे कंक्रीट के एक्सटेंशन बनाने की रफ्तार सुस्त पड़ी, वहीं पहियों वाले इन सस्ते %स्मार्ट होम% को अपनाने की रफ्तार दोगुनी रही। जहां पक्का घर बनाने में औसतन 2 लाख डॉलर से अधिक खर्च होते हैं, वहीं एक शानदार टायनी होम महज पचास हजार से 1 लाख डॉलर में बनकर तैयार हो जाता है- यानी सीधी 70त्न तक की बचत!

अब सवाल उठता है कि 200 से 300 स्क्वायर फीट के इन छोटे डिब्बों में %लग्जरी% कैसे संभव है? जवाब है- स्मार्ट आर्किटेक्चर। इन टायनी हाउसेज को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि दीवार में समा जाने वाले बेड, फोल्डेबल डाइनिंग टेबल, मॉड्यूलर किचन, और चिमनी से लेकर ग्लास-शावर वाले बाथपैनल्स तक सब कुछ इसमें समा जाता है। बिजली के भारी बिल से राहत के लिए छतों पर सोलर पैनल लगे होते हैं और पानी व सीवर के लिए %प्लग एंड प्ले% सिस्टम होता है। परिणाम यह है कि जो बेघर या कम आय वाले लोग सड़क किनारे तिरपाल के नीचे सोने को मजबूर थे, वे आज एक अत्याधुनिक और सुरक्षित घर में स्वाभिमान के साथ रह रहे हैं।

यह विचार सिर्फ पोर्टलैंड तक सीमित नहीं रहा। आज दुनिया के कई अन्य शहर भी इस राह पर चल पड़े हैं। अमेरिका में टेक्सास के ऑस्टिन में कम्युनिटी विलेज नाम से 51 एकड़ का पूरा गांव बसाया गया है, जहां सैकड़ों टायनी घर बेघर लोगों को स्थायी सहारा दे रहे हैं। टेक्सास का स्पर्ग शहर खुद को पहियों वाले घरों के लिए अमेरिका का पहला पाबंदी-मुक्त शहर घोषित कर चुका है। वहीं, जापान का टोक्यो अपने माइक्रो-होम्स के जरिए तंग जगहों का बेहतरीन इस्तेमाल कर रहा है, तो कनाडा का वैनकुवर अपने %लेनवे हाउसिंग% मॉडल से शहरी भीड़ की समस्या सुलझा रहा है।

4। भारत में लोग 20-30 साल तक सिर्फ फ्लैट की किस्तें चुकाते रहते हैं। छोटे और सस्ते घरों से युवाओं पर लोन का भारी बोझ नहीं पड़ेगा और वे सुकून की जिंदगी जी सकेंगे।

5। कंक्रीट का कम इस्तेमाल होगा तो पर्यावरण को नुकसान भी कम पहुंचेगा। इन छोटे घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली के बिल से भी राहत पाई जा सकती है।

12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 7

राजस्थान की इन जगहों का लुत्फ उठाने दूर विदेश से खिंचे चले आते हैं लोग







राजस्थान भारत के उन राज्यों में से हैं जहां हर साल पर्यटकों का खूब मेला लगता है, उन पर्यटकों में विदेशी टूरिस्ट भी शामिल होते हैं। राजस्थान अपनी बेशुमार खूबसूरत हवेलियों और महलों के लिएविश्व भर में लोकप्रिय है। रेतीला इलाका होने की वजह से यहां ज्यादातर गर्मी का मौसम ही रहता है। तो चलिए जानते हैं विश्व प्रसिद्ध इस राज्य की कुछ और हसीन झलकियों की बारे में...

जयपुर

राजस्थान के इस शहर को पिंक सिटी का खिताब प्राप्त हुआ है। अपने विशाल किलों और शानदार महलों को लेकर यह शहर हर साल हजारों सैलानियों का प्रदर्शन करता है। यहां की संस्कृति, इतिहास और यहां के शाही ठाठ-बाठ के लोग दिवाने हैं। यहां घूमने के लिए आमेर का किला,जल महल,हवा महल,जयगढ़ किला और जंतर-मंतर जैसी अनेकों जगहें हैं।

उदयपुर

उदयपुर जयपुर से करीब 400 कि.मी की दूरी पर स्थित है। उदयपुर को झीलों की नगरी भी कहा जाता है। यहां की खूबसूरती, साफ़ सफाई और किलों के कारण यह स्थान पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन चुका है। उदयपुर सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं बॉलीवुड और हॉलीवुड को भी अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर ये जवानी है दीवानी, यश राज की फिल्म यादें और यहां तक की जेम्स बांड सीरीज की एक फिल्म की शूटिंग भी यहां के खूबसूरत नजारों के बीच हो चुकी है।

अजमेर

जयपुर से अजमेर कुछ 135 किमी की दूरी पर स्थित है। अजमेर की दरगाह शरीफ भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी काफी विख्यात है। अजमेर में पर्यटक दरगाह शरीफ के अलावा आधी दिन का झोपड़ा, नासिया मंदिर, आनासागर झील, तारागढ़ का किला भी काफी फेमस है।

जोधपुर

जोधपुर अपने अलौकिक सूर्य उदय के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। सूर्यनगरी के लिए जाना जाने वाला यह शहर अपने महलों के लिए भी जाना जाता है। इस शहर में आपको ज्यादातर घर नीले रंग के पत्थरों से बने हुए मिलेंगे इसीलिए इस शहर को ब्लू सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यह शहर थार-रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। अपने दामन में राजसी गौरव को समेटे जोधपुर बड़ी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर लुभाता है। यहां आप नीले भवन से लेकर जगमग करते महल, किले, मंदिर, संग्राहलय और शानदार बगीचे इस शहर की खूबसूरती को और भी बढ़ा देते हैं।

कुंभलगढ़

मार्केट रिसर्चर की है जबरदस्त डिमांड

वैसे तो इस क्षेत्र में जॉब हासिल करने के लिए बैचलर की डिग्री की दरकार होती है, लेकिन सही मायने में आपकी गहरी पकड़ मार्केटिंग, इकोनॉमिक्स, साइकॉलजी, सोशियोलॉजी और स्टैटिस्टिक्स में होनी चाहिए...



वर्तमान समय में बिजनस की दुनिया में काफी बदलाव हुए हैं। अब मार्केट नई स्ट्रेटजी पर चलता है। उसे अच्छी प्लानिंग से काम को अंजाम देना होता है। यही कारण है कि बाजार को कस्टमर्स को समझना होता है और इसी क्रम में उन्हें ज्यादा टाइम देना होता है। इन्हीं मकसद को पूरा करने के लिए मार्केट रिसर्चर की जरूरत होती है। एक तरीके से वे मार्केट और कस्टमर्स के बीच की कड़ी होते हैं। उन्हें उपभोक्ताओं के ऑप्शन, टेस्ट और उनकी आवश्यकताओं पर कड़ी नजर रखनी पड़ती है। इस डेटा को कई प्रॉसेस के जरिए कंपनियां कलेक्ट करवाती हैं। इसके बाद वह फैसला करती हैं कि किस तरह के प्रॉडक्ट की लोगों के बीच डिमांड है और इसके लिए उन्हें कैसे पहल करनी होती है। इसलिए एक मार्केट रिसर्चर की जॉब दिलचस्प होती है। वैसे तो इस क्षेत्र में जॉब हासिल करने के लिए बैचलर की डिग्री की दरकार होती है, लेकिन सही मायने में आपकी गहरी पकड़ मार्केटिंग, इकोनॉमिक्स, साइकॉलजी, सोशियोलॉजी और स्टैटिस्टिक्स में होनी चाहिए। इस फील्ड को ऑप्ट करने से पहले आप अपने कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर कर लें, क्योंकि इस स्किल की आपको बड़ी मात्रा में जरूरत पड़ने वाली है।

जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है, डेटा का महत्व भी बढ़ता ही जा रहा है। बाजार को समझने के लिए डेटा की जरूरत पड़ती है। कंपनी जब किसी प्रॉडक्ट को लॉन्च करती है, तो डेटा के आधार किए गए रिसर्च के आधार पर कंपनी को फैसले लेने होते हैं। ऐसे में मार्केट रिसर्चर की भूमिका अहम हो जाती है। वह रिचर्स के लिए लोगों के बीच में जाता है और उनके पसंद और नापसंद को आधार बनाते हुए यह एक डेटा तैयार करता है, जिसके आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि प्रॉडक्ट का भविष्य क्या हो सकता है। कंपनी इसके माध्यम से टारगेट भी सेट करती है। इस अधार पर यह तय किया जाता है कि प्रॉडक्ट में मुख्य रूप से किसे टारगेट किया जाए। लोगों को प्रॉडक्ट के लिए लुभाने के लिए किस तरह के ऑफर दिए जाएं।

आप दिलचस्प तरीके से करियर को बिल्ड करना चाहते हैं और इसमें जबरदस्त ग्रोथ चाहते हैं, तो मार्केट रिसर्चर के रूप में करियर बनाने के लिए खुद को तैयार करें। डेटा में आपका मन रमता है, तो यह आपके लिए निश्चित रूप से एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

यहां कर सकते हैं पढ़ाई

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली।
नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सेल्स, नई दिल्ली।
सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया ऐंड कम्युनिकेशन, पुणे।
यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ।

मार्केट रिसर्चर उपभोक्ता की पसंद, खरीदारी की आदत, बाजार में रिसर्च के आधार पर एक डेटा तैयार करते हैं। इससे गुजरते हुए उन्हें कई दौर से होकर गुजरना होता है। इसके बाद वे रिपोर्ट, ग्राफिक इलेस्ट्रेशन के माध्यम से अपने रिसर्च को समझाते हैं कि कंपनी का कोई फैसला उन्हें कितना फायदा पहुंचा सकता है।

काम का स्वरूप

कंपनी की संभावित बिक्री और बाजार से संबंधित सभी तरीके मार्केट रिसर्चर के जॉब प्रोफाइल का हिस्सा होते हैं। स्टैटिस्टिक्स डेटा को आधार बनाते हुए उसे भविष्य का अनुमान लगाना होता है। उसे अपनी कंपनी को यह बताना होता है कि आने वाले दिन में मार्केट का रुख कैसा रहेगा। ये डेटा प्रश्नावली, टेलीफोन, इंटरनेट सर्वेक्षण या फिर व्यक्तिगत साक्षात्कार को आधार बनाकर तैयार किए जाते हैं। बहुत सारे रिसर्च ग्रुप डिस्कशन पर आधारित होते हैं। इस डेटा को कलेक्ट करने के बाद उन्हें उपभोक्ताओं की वरीयता को आधार प्रदान करते हुए डिजाइन तैयार करना होता है। ग्लोबल लेवल पर मार्केट रिसर्चर की ज्यादा डिमांड है। अगर आप इसे अपने करियर के तौर पर ऑप्ट करने जा रहे हैं, तो यह एक सही फैसला साबित हो सकता है।

इसमें सफलता हासिल करने के लिए आपको मार्केट के कल्चर को अच्छे से समझना होता है। इसके साथ ही आपको बिना थके अप्रोच करने की विशेषता को भी खुद के अंदर लाना होता है।

भारत की यह जगहें भी हैं घूमने लायक

मैग्नेटिक हिल

मैग्नेट हिल एक साइक्लोप्स हिल है जो भारत के लद्दाख में लेह के पास स्थित है। आसपास का क्षेत्र ढलानों के रुप में बना हुआ है, यहां पर यदि आप अगर अपनी कार में जाते हैं तो, दूर से देखने वाले को लगेगा कि आपकी कार लुढ़कने वाली है। यहां मौजूद पहाड़ी को मैग्नेटिक हिल इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह भारत का एक ऐसा अजूबा है जहां आमतौर पर पहाड़ी के फिसलन पर वाहन को गियर में डालकर खड़ा किया जाता है। यदि ऐसा नहीं किया जाए तो वाहन नीचे की ओर लुढ़ककर खाई में गिर सकता है लेकिन इस मैग्नेटिक हिल पर वाहन को न्यूट्रल करने खड़ा कर दिया जाए तब भी यह नीचे की और नहीं जाता।

माजुली

असम राज्ये में स्थापित माजुली शहर ने आज भी भारत की सभ्यता और संसकृति को सहेज कर रखा हुआ है। इसी के साथ माजुली असम का सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र भी है। माजुली न सिर्फ नदी से बना विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है, बल्कि यह असम के वैष्णव धर्म का केन्द्र भी है।

जीवित पुल

मेघालय में वहां के निवासियों के द्वारा बरगद और अंजीर के पेड़ की जड़ों की मदद से एक पुल तैयार किया गया। असल में गांवो के लोगों को अपनी जरुरत का सामान लाने के लिए नदी में से तैर कर जाना पड़ता था। इस वजह से सब लोग बहुत परेशान थे। फिर लोगों ने अपना दिमाग लगाकर एक बहुत ही सुंदर और भारत की शोभा बढ़ाने वाले पुल तैयार कर दिया।

देवदार के पेड़

कश्मीर और सिक्किम में मौजूद देवदार के पेड़ रोबर्ट पैटीसन और क्रिस्टीन स्टीवर्ट की फिल्म ट्वाईलाईट में दर्शाए गए एक सीन की याद दिला देते हैं। वैसे तो देवदार के पेड़ बहुत कम भारत में देखने को मिलते हैं। लेकिन यदि आप प्रकृति के नजारों को नजदीक से देखना चाहते हैं ।

तो आपको देवदार के पेड़ों का यह अद्भुत नजारा आवश्य देख कर आना चाहिए। इसके बाद आपको इस जगह से

ऊटी तमिलनाडु राज्य का एक शहर है। कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा पर बसा यह शहर मुख्य रूप से एक पर्वतीय स्थल (हिल स्टेशन) के रूप में जाना जाता है। यह तमिलनाडु प्रांत में नीलगिरी की पहाड़ियों में बसा हुआ एक लोकप्रिय पर्वतीय स्थल है। रोमेंटिक होने के साथ-साथ प्राचीन समुद्र तटों, हिल स्टेशनों और शानदार वन्य जीवन को खुद में समाए बैठा यह एक नामचीन शहर है। अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों मौज मस्ती का प्लान बना रहें हैं तो जान लीजिए ऊटी के कुछ हसीन नजारों के बारे में कुछ विस्तार से...

भारत के खूबसूरत पर्यटक स्थलों में एक है ऊटी

ऊटी ऊटी की सैर के लिए आने वाले पर्यटक में ऊटी झील जाए बिना वहां से वापिस नहीं आते। यह झील मानव निर्मित है जो लगभग 65 एकड़ के क्षेत्र में फ़ैली हुई है। मानसून के दौरान पहाड़ों से बहकर आने वाले पानी को एकत्रित करके इस झील का निर्माण किया गया।यहां बोटिंग की सुविधा भी उपलब्ध होने के कारण यह झील पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। इसके शांत जल में सैर करते हुए आप यहां की सुंदरता का आनंद उठा सकते हैं।

डाबेट्टा चोटी

डाबेट्टा चोटी नीलगिरी की पहाड़ियों की सबसे ऊंची चोटी है तथा कन्नड़ भाषा में इसका अर्थ बड़ा पर्वत होता है। यह पर्वत 8650 फुट ऊंचा है तथा यह ऊटी शहर से 9 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। कोटागिरी रास्ते के द्वारा यहाँ पहुंचा जा सकता है। डोडाबेट्टा चोटी से चामुंडी पहाड़ियों का स्पष्ट दृश्य देखा जा सकता है। डोडाबेट्टा की अद्वितीयता इसकी चोटी में है जो वास्तव में एक चपटा वक्र है।पर्यटन के मौसम में अर्थात अप्रैल और मई के महीनों में प्रतिदिन लगभग 3500 पर्यटक इस चोटी की सैर करने के लिए आते हैं। यहां दूरबीन के जरिए पर्यटक घाटी के दूर-दूर के दृश्य देख सकते हैं।



लॉक डाउन

लॉक डाउन ऊटी के पास स्थित एक प्रसिद्ध स्थान है तथा यह स्थान बहुत सुंदर होने के कारण मुख्य रूप से शूटिंग के लिए प्रसिद्ध है। ढलावदार पहाड़ियां, घास के हरे मैदान, बड़ी जगह तथा दूर दूर तक फ़ैली हुई हरियाली आपके दिल को खुश कर देते हैं। स्वतंत्रता के पूर्व यह स्थान यूरोपीयन लोगों में बहुत लोकप्रिय था जो शिकार के लिए अक्सर यहां आया करते थे। जब स्वतंत्र भारत में जब शिकार पर प्रतिबन्ध लगा तब यह स्थान स्थानीय लोगों में एक पिकनिक स्थान के रूप में लोकप्रिय हुआ। आज जो भी व्यक्ति देश के इस भाग में आता है वह इस स्थान की सैर किये बिना जाता नहीं है। यहां गोल्फ कोर्स तथा भेड़ों का एक सरकारी फ़ार्म भी है।

लेंच झील

लेंच झील नीलगिरी की पहाड़ियों में स्थित है तथा ऊटी शहर से लगभग 28 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। 19 वीं शताब्दी में यहाँ बर्फ की चट्टान के सरकने के कारण यह झील बनी थी। इसी आधार पर इसका नाम रखा गया है। झील के आसपास का क्षेत्र जादुई है। झील के आसपास की पहाड़ियां पर मैग्नोलिया (सफ़ेद या गुलाबी रंग के फूल) सदैव खिले रहते हैं। आपको झील के आसपास अनेक पर्यटक टहलते हुए दिखाई देंगे। ट्राउट (एक प्रकार की मछली) से भरी इस झील में अनेक लोग मछली पकड़ना पसंद करते हैं। पर्यटक झील के किनारे कैंप भी लगा सकते हैं तथा अपना अधिकतम समय झील के किनारे टहलते हुए बिता सकते हैं। कुछ लोग साहसिक गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग आदि में व्यस्त रहते हैं जबकि कुछ लोग राफ्टिंग के खेल का भी आनंद उठाते हैं।

फ्लॉवर शो

ऊटी में फ्लॉवर शो का भी आयोजन किया जाता है।यहां के बोटेनिकल गार्डन में फूलों की विधिन्न प्रजातियां देखने को मिलती हैं। यहां आपको विदेशी और स्वदेशी दोनों प्रकार के फूल देखने को मिल सकते हैं। इस फ्लॉवर शो के महत्व को बढ़ाने के लिए आयोजक कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करते हैं। पूरे देश से कई प्रतिभागी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं तथा उनके द्वारा लगाये गए फूल प्रदर्शन के लिए रखते हैं। विभिन्न श्रेणियों में लगभग 250 लोग इस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। यह शो (प्रदर्शन) दो से तीन दिन तक चलता है। इस फ्लॉवर शो की खास बात यह है कि लोग फूलों से अलग-अलग तरह की आकृतियां बनाते हैं।

कैसे बनाएं मीडिया में करियर, पढ़ें पूरी जानकारी...

मीडिया एक चमकदार और ग्लैमरस इंडस्ट्री दिखती है इसकी चमक-धमक देखकर अब अधिकतर छात्र मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम का कोर्स कर रहे हैं। मीडिया में नौकरी के बहुत सारे अवसर हैं। जरूरी नहीं है कि आप किसी न्यूज चैनल या अखबार में ही नौकरी करें कोर्स करने के बाद आप एडवरटाइजिंग एजेंसी, फिल्म लाइन या पब्लिशिंग हाउस में भी काम कर सकते हैं यहां हम आपको मीडिया फील्ड में करियर बनाने के बारे में शुरू से बता रहे हैं।

मास कम्यूनिकेशन या जर्नलिजम का कोर्स करें

मीडिया में करियर बनाने के लिए आपके पास बेसिक क्वलिफिकेशन होनी चाहिए और वो है मास कम्यूनिकेशन या जर्नलिजम कोर्स की डिग्री या डिप्लोमा। आपके पास शैक्षिक योग्यता होने के बाद ही आपकी दूसरी योग्यताओं पर विचार किया जाएगा। मास कम्यूनिकेशन कोर्स आप किसी अच्छे संस्थान से कर सकते हैं। बेनेट यूनिवर्सिटी ने हाल ही में टाइम्स स्कूल ऑफ मीडिया के जरिए मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम कोर्स शुरू किया है।



मीडिया में कहां जाना है

मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम कोर्स करने के बाद आप तय करें कि आपको कहां जाना है आप टेलिविजन यानी न्यूज चैनल्स जॉइन करना चाहते हैं या रेडियो, प्रिंट, डिजिटल मीडिया, एड एजेंसी आदि में नौकरी करना चाहते हैं। यह आप अपनी पसंद और प्राथमिकता के आधार पर तय करें।

इंटर्नशिप के लिए करें अप्लाई

करियर की शुरूआत आप इंटर्नशिप से कर सकते है जिसमें आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। इंटर्नशिप करते-करते ही नौकरी के लिए भी अप्लाई करें। इसके लिए आप संबंधित कंपनियों की वेबसाइट पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं या इन कंपनियों के एचआर सेक्शन में कॉल करके भी पूछ सकते हैं।

जर्नलिजम स्टूडेंट्स न रहें नौकरी के भरोसे, शुरू करें अपनी कंपनीः रिसर्च

आप पत्रकारिता के स्टूडेंट्स हैं, प्रिंट मीडिया या टीवी की नौकरी के बारे में सोच रहे हैं तो विचार बदल लें। बेहतर होगा, अपना खुद का काम जैसे वेबसाइट्स या पीआर फर्म का काम शुरू करें। यह बात एक स्टडी में सामने आई है। राइस यूनिवर्सिटी और रटगर्स यूनिवर्सिटी की स्टडी से यह बात सामने आई है कि शिक्षक जर्नलिजम के स्टूडेंट्स को न्यूज बिजनस के अलावा काम करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

राइस यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रफेसर मैक्स बेसब्रिस के मुताबिक टीचर्स स्टूडेंट्स को समझा रहे हैं कि उन्हें ट्रडिशनल न्यूज ऑर्गनाइजेशंस में नहीं जाना चाहिए। वे टेम्परारी, कॉन्ट्रैक्ट पर या फ्रीलांस वर्क, नॉन न्यूज ऑर्गनाइजेशंस, सरकारी या गैर सरकारी ऑर्गनाइजेशंस के लिए या किसी और जगह पर भी काम कर सकते हैं। आजकल पेपर बंद हो रहे हैं और सूचनाएं इंटरनेट, सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। ऑथर्स ने बताया कि जर्नलिजम की शिक्षा देने वाले इंडस्ट्री में होने वाले बदलाव के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हैं। स्टडी के लिए जिन लोगों का इंटरव्यू लिया गया, उन्होंने कहा कि वे बदलाव को स्वीकार करते हैं और पुराने मॉडल में लौटना बेकार समझते हैं।

उन्होंने यह भी माना कि स्टूडेंट्स को जर्नलिजम में जॉब की अनिश्चतता वाले करियर के तौर पर स्वीकारना चाहिए। उन्होंने जितने भी शिक्षकों का इंटरव्यू लिया उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टूडेंट्स को जितना हो सके फाइनैंशल रिस्क लेकर अपना काम शुरू करने वाला होना चाहिए और अपना बिजनस या वेबसाइट शुरू करने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए। उन्होंने स्टूडेंट्स को बढ़िया राइटर या फोटोजर्नलिस्ट बनने पर जोर देने के बजाय लिखने से लेकर एडिट करने या रिकॉर्डिंग और डिजाइनिंग तक हर स्किल डिवेलप करने की शिक्षा दी। कुछ टीचर्स इंडस्ट्री में होने वाले इस बदलाव से दुखी भी थे। इस स्टडी के लिए 113 फैकल्टी, स्टाफ और ऐडमिनिस्ट्रेटर्स का इंटरव्यू लिया गया था।



पब्लिक रिलेशन में कैसे बनाएं करियर, जानें सबकुछ

अगर आप सोचते हैं कि अपनी बात लोगों से मनवा सकते हैं, रोचक ढंग से बातें कर सकते हैं और दबाव झेल सकते हैं तो पब्लिक रिलेशन (पीआर) में करियर आपके लिए बेहतर रहेगा। पीआर प्रतिनिधि के तौर पर आपकी सिर्फ एक भूमिका रहेगी। आपको बिजनस हाउसों, संस्थानों, लोगों और सरकारी संस्थानों के लिए अभियान चलाना होगा ताकि उनका लोगों के साथ अच्छा संबंध बन सके और वह संबंध बरकरार भी रहे। पीआर एग्जिक्युटिव की भूमिका में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया का इस्तेमाल करके किसी प्रॉडक्ट, कंपनी या किसी व्यक्ति का प्रमोशन करना होता है और इस तरह से एक ब्रैंड तैयार करना और उसका विकास करना होता है। जरूरी कौशल पीआर प्रतिनिधि के तौर पर आपके पास सूचनाओं का भंडार होना चाहिए। इसके



अलावा रचनात्मकता, विश्वसनीयता, तकनीक पर पकड़, अच्छा प्रबंधकीय कौशल अन्य गुण हैं जो आपके अंदर होने चाहिए। सिर्फ यही नहीं बल्कि लिखित और मौखिक संचार कौशल, भाषाओं के ऊपर मजबूत कमान, लचीलता और आयोजनों का अच्छा कौशल भी इस फील्ड में काफी जरूरी है।पात्रता पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपका किसी भी स्ट्रीम में ग्रैजुएट होना जरूरी है। अगर मास मीडिया में ग्रैजुएशन हो तो ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। आप पब्लिक रिलेशंस में एक साल का पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कर सकते हैं। या फिर कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कर सकते हैं। दूसरे साल में आप मास्टर्स डिग्री में पीआर में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पीआर में कोर्स के दौरान मुख्य रूप से लाइव प्रॉजेक्ट असेसमेंट और इंटर्नशिप पर जोर दिया जाएगा जिससे आपको प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा। करियर की संभावनाएं बिजनस के मौके बढ़ने के साथ पीआर एक्सपर्ट्स की मांग बढ़ रही है। फ्रेशर होने पर आप किसी पीआर एजेंसी से एग्जिक्युटिव के तौर पर अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। एंट्री लेवल पर आपको अपनी शैक्षिक योग्यताओं के भरोसे रहना होगा। अनुभव के साथ आपकी सैलरी बढ़ती जाएगी। फ्रेशर के तौर पर आपको अकाउंट्स एग्जिक्युटिव, कम्यूनिकेशन एग्जिक्युटिव और इवेंट मैनेजर्स आदि के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। फ्रेशर के तौर पर आपको बतौर इंटर्न भी हायर किया जा सकता है और 8,000 से 10,000 का शुरुआती पैकेज मिलेगा। बढ़ते अनुभव के साथ वेतन भी बढ़कर 50 से 80 हजार हर महीने हो जाएगा।

12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai:12-OCT-26 Ek Sat Buletin Rai.qxd 12-Oct-26 9:37 AM Page 8

न्यूज इन शॉर्ट

`एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सांसद, विधायक और कलेक्टर ने किया पौधरोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उत्तर बस्तर कांके। रसेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम माहला में आयोजित सेवा सेतु शिविर के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक श्री विक्रम उसेंडी एवं कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री भोजराज नाग ने बरगद, विधायक श्री विक्रम उसेंडी ने कदम तथा कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आम का पौधा रोपित किया। जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पौधरोपण के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया। इस अवसर पर पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर जोर देते हुए पर्यावरण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ ही प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी गई।

सेवा सेतु शिविर बना राहत का सहारा, अमोदिनी विश्वास को नि:शुल्क नेत्र जांच के साथ मिला चश्मा

उत्तर बस्तर कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम माहला में आयोजित सेवा सेतु शिविर सह मेगा स्वास्थ्य शिविर जरूरतमंदों के लिए राहत और सुविधा का माध्यम बन रहा है। शिविर में पखांजूर तहसील के संगम बाजार पारा निवासी श्रीमती अमोदिनी विश्वास को नि:शुल्क नेत्र जांच के साथ चश्मा प्रदान किया गया, जिससे उन्हें बेहतर दृष्टि की दिशा में सहायता मिली। श्रीमती अमोदिनी विश्वास शिविर में संचालित नेत्र जांच काउंटर पर पहुंचीं, जहां विशेषज्ञों द्वारा उनकी आंखों की जांच की गई। जांच के बाद उन्हें आवश्यकतानुसार नि:शुल्क चश्मा उपलब्ध कराया गया। शिविर में एक ही स्थान पर स्वास्थ्य जांच और आवश्यक सुविधा मिलने से उन्हें काफी सहूलियत मिली। श्रीमती अमोदिनी विश्वास ने बताया कि यदि उन्हें अपनी आंखों की जांच निजी चिकित्सक के पास जाकर करानी पड़ती, तो डॉक्टर की फीस और चश्मे के लिए पैसे खर्च करने पड़ते। लेकिन सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर में उनकी आंखों की जांच नि:शुल्क हुई और उन्हें चश्मा भी बिना किसी खर्च के मिल गया। इससे उनके पैसे और समय दोनों की बचत हुई।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार से संबलपुर निवासी राजेंद्र कुमार को मिली राहत

उत्तर बस्तर कांकेर । शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं और सेवा संकल्प अभियान आम लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम तरहुल में जिला स्तरीय सेवा सेतु अंतर्गत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में संबलपुर निवासी श्री राजेंद्र कुमार ने स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकों ने उनकी जांच कर आवश्यक परामर्श दिया और उपचार उपलब्ध कराया। शिविर में उन्हें नि:शुल्क दवाइयां भी प्रदान की गईं। राजेंद्र कुमार ने बताया कि शिविर के माध्यम से उन्हें अपने गांव के नजदीक ही स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा मिली। उपचार के साथ नि:शुल्क दवाइयां मिलने से उन्हें काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी हैं, क्योंकि इससे समय और धन दोनों की बचत होती है।ग्राम तरहुल में आयोजित जिला स्तरीय मेगा स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। ग्रामीणों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श, उपचार और दवाइयां प्रदान की गईं। शिविर का उद्देश्य दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

सेवा संकल्प से संवरती ज़िंदगी: अब नारायणपुर के दूरस्थ अबुझमाड़ (कुतुल) के नयापारा में भी पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

अबुझमाड़ के बीहड़ों तक पहुंची विकास की धारा - नयापारा में शुरू हुआ नलकूप खनन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत राज्य के अंतिम छोर पर बसे वनांचल और दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों तक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार अब ज़मीनी हक़ीकत बनता जा रहा है। इसी कड़ी में नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र ग्राम परपा (कुतुल) के नयापारा में नलकूप खनन का कार्य तेज़ी से प्रारंभ कर दिया गया है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित आवागमन के बावजूद शुरू की गई इस पहल से स्थानीय ग्रामीणों को जल्द ही घर के समीप शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की सौगात मिलने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में विकास की एक नई किरण जगी है।



वनांचल के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाना केवल एक बुनियादी सुविधा का विस्तार नहीं है, बल्कि यह ग्रामीणों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सीधे तौर पर बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कुतुल जैसे दुर्गम क्षेत्रों में जहाँ भौगोलिक विसंगतियाँ और आवागमन की दुश्वारियाँ विकास कार्यों के क्रियान्वयन को बेहद चुनौतीपूर्ण बना देती हैं, वहाँ प्रशासन की यह पहल स्थानीय लोगों के जीवन को सुगम बनाने का सशक्त माध्यम बन रही है। पारंपरिक स्रोतों से पानी ढोने की मजबूरी झेल रहे परिवारों के लिए यह नलकूप खनन किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा। इस महत्वपूर्ण पहल के धरातल पर उतरने से ग्रामीण महिलाओं और परिवारों को अपनी दैनिक ज़रूरतों के लिए पानी जुटाने की लंबी और श्रमसाध्य मशक्कत से राहत मिलेगी। घर के नज़दीक ही स्वच्छ जल उपलब्ध होने से न केवल उनका बहुमूल्य समय बचेगा, व आजीविका संबंधी कार्यों में कर सकेंगे।

गांव में ही मिली सोनोग्राफी की सुविधा, आशुबत्ती नेताम ने जताया मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का आभार

मांडाभार्री में आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर ग्रामीणों के लिए बना राहत का माध्यम, विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं के साथ नि:शुल्क जांच और दवाइयां भी

संवाददाता ➤ उत्तर बस्तर कांकेर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान बनाने के उद्देश्य से नरहरपुर विकासखंड के ग्राम मांडाभार्री में आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर ग्रामीणों के लिए लाभकारी साबित हुआ है। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श देने के साथ जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। गांव में ही जांच और उपचार की सुविधा मिलने से ग्रामीणों को दूर शहर जाने की परेशानी से भी राहत मिली है।

इसी क्रम में ग्राम बांगाबारी निवासी आशुबत्ती नेताम ने शिविर में सोनोग्राफी की सुविधा का लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि आसपास के क्षेत्र में सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके लिए शहर जाना पड़ता था। इससे समय और आने-जाने की परेशानी होती थी। लेकिन ग्राम मांडाभार्री में आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में ही सोनोग्राफी की सुविधा मिलने से उन्हें काफी सहूलियत मिली। आशुबत्ती नेताम ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया, पहले सोनोग्राफी कराने के लिए शहर जाना पड़ता था, लेकिन गांव के पास ही यह सुविधा मिलने से मैं बहुत खुश हूं। डॉक्टर ने बहुत अच्छी तरह से सोनोग्राफी की और मुझे रिपोर्ट भी प्रदान की। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करती हूं।

गांव में ही मिली स्वास्थ्य सेवाएं

मेगा स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं, आवश्यक स्वास्थ्य जांच और नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई। सोनोग्राफी जैसी महत्वपूर्ण जांच की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिलने से ग्रामीणों को समय और यात्रा की परेशानी से राहत मिली।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ हेमलता साहू का घर, बिजली बिल से मिली राहत

उत्तर बस्तर कांकेर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं आम लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के साथ आर्थिक बचत का माध्यम भी बन रही हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऐसी ही एक पहल है, जिसका लाभ लेकर ग्राम साल्हेटोला निवासी श्रीमती हेमलता साहू अपने घर में सौर ऊर्जा का उपयोग कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले हमारे घर में 01 हजार रूपए से लेकर 16 सौ तक प्रत्येक महीना बिजली बिल आता था। फरवरी 2026 में अपने घर पर सोलर पैनल स्थापित करवाने के बाद उन्हें बिजली बिल से राहत मिली है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम मांडाभर्री में आयोजित सेवा सेतु एवं मेगा स्वास्थ्य शिविर के दौरान श्रीमती हेमलता साहू ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से मिले लाभों को साझा किया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत उन्होंने फरवरी 2026 में अपने घर पर सोलर पैनल लगवाया। इसके बाद से उनके घर बिजली बिल नहीं आ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक राहत महसूस हो रही है। हेमलता साहू के अनुसार, घर में सोलर पैनल लगने से बिजली की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने का अवसर मिला है। साथ ही, बिजली बिल की चिंता कम होने से परिवार को बचत का लाभ मिल रहा है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ हेमलता साहू का घर, बिजली बिल से मिली राहत

सोलर पैनल लगवाने के बाद बिजली बिल की चिंता हुई कम, स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ा परिवार

एक सत बुलेटिन ➤ उत्तर बस्तर कांकेर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं आम लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के साथ आर्थिक बचत का माध्यम भी बन रही हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऐसी ही एक पहल है, जिसका लाभ लेकर ग्राम साल्हेटोला निवासी श्रीमती हेमलता साहू अपने घर में सौर ऊर्जा का उपयोग कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले हमारे घर में 01 हजार रूपए से लेकर 16 सौ तक प्रत्येक महीना बिजली बिल आता था। फरवरी 2026 में अपने घर पर सोलर पैनल स्थापित करवाने के बाद उन्हें बिजली बिल से राहत मिली है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम मांडाभर्री में आयोजित सेवा सेतु एवं मेगा स्वास्थ्य शिविर के दौरान श्रीमती हेमलता साहू ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से मिले लाभों को साझा किया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत उन्होंने फरवरी 2026 में अपने घर पर सोलर पैनल लगवाया। इसके बाद से उनके घर बिजली बिल नहीं आ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक राहत महसूस हो रही है। हेमलता साहू के अनुसार, घर में सोलर पैनल लगने से बिजली की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने का अवसर मिला है। साथ ही, बिजली बिल की चिंता कम होने से परिवार को बचत का लाभ मिल रहा है।

स्वच्छ ऊर्जा से बचत की ओर बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को प्रोत्साहित करना है, ताकि परिवार स्वच्छ ऊर्जा का लाभ उठा सकें और बिजली खर्च में बचत कर सकें। श्रीमती हेमलता साहू का अनुभव दर्शाता है कि सौर ऊर्जा अपनाकर परिवार अपनी बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।हेमलता साहू ने योजना का लाभ मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उनका अनुभव अन्य परिवारों को भी सौर ऊर्जा के प्रति जागरूक होने और उपलब्ध योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

बरसात के बाद निर्माण कार्यों को मिली रफ्तार, गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर

पीडब्ल्यूडी सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद के विभिन्न सड़कों, पुलों और भवनों का किया निरीक्षण

अधिकारियों और ठेकेदारों को समय-सीमा में काम पूरा करने के दिए निर्देश

निर्माण कार्यों की होगी कड़ी मॉनिटरिंग, फील्ड पर प्रगति जांचने होंगे औचक निरीक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ गरियाबंद

बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की पूरी तैयारी है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। काम की प्रगति अब केवल दफ्तरों की रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरकर निर्माण की वास्तविक स्थिति परखेंगे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ औचक निरीक्षण से भी गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद जिले का दौरा कर सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माणाधीन परियोजनाओं की जमीनी स्थिति देखी। उन्होंने फिंगेश्वर विकासखंड में कोपरा-पोखरा मार्ग के 26.20 किलोमीटर लंबे मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना में पुल-पुलियों के निर्माण कार्य भी शामिल हैं। उन्होंने राजिम में नवीन मेला स्थल चौबेबांधा से लक्ष्मण झूला तक 3.50 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण की प्रगति भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली और निर्माण में गुणवत्ता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

सड़क परियोजनाओं के साथ सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद में निर्माणाधीन शासकीय भवनों का भी जायजा लिया। उन्होंने व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों के लिए बनाए जा रहे दो डी-टाइप आवासगृहों, जिला परिवहन कार्यालय भवन तथा 40 जीएडी आवासगृहों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सचिव श्री बंसल जिले के बिंद्रानवागढ़ क्षेत्र के दुर्गम इलाकों में भी पहुंचे। उन्होंने कसाबाय-पतोरा दादर मार्ग के आरडी 135 में चचंगी नाला पर निर्मित पुल एवं पहुंच मार्ग का निरीक्षण किया। यह कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने कसाबाय-सातधार मार्ग में हलफली नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित इन परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली।

मैदानी निरीक्षण के बाद सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए काम में आ रही समस्याओं और बाधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों को गति देने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। बरसात के बाद निर्माण कार्यों में तेजी लाने विभागीय अमले को सक्रियता से काम करना होगा। कार्यों की सतत निगरानी और वरिष्ठ अधिकारियों के मैदानी निरीक्षण से निर्माण की वास्तविक प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

बॉयफ्रेंड ने शादी से किया इनकार, गर्लफ्रेंड ने लगाई फांसी- होटल में मिली लाश, दूसरी लड़कियों से अफेयर था, पूछने पर भड़का, थप्पड़ मारे; अरेस्ट

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में प्रेमी ने शादी से मना किया तो गर्लफ्रेंड ने फांसी लगाकर जान दे दी। पिंकी मानिकपुरी (22) और टिकेश्वर (24) के बीच डेढ़ साल से अफेयर था। लड़के ने शादी का वादा किया था। लेकिन लड़की को शक था कि लड़का उसे धोखा दे रहा है, वह किसी और लड़की से बात करता है।पिंकी ने सच जानने की कोशिश की तो इस बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। टिकेश्वर ने उससे गाली-गलौज की और 3-4 थप्पड़ जड़े। पिंकी ने उसे हर जगह से ब्लॉक कर दिया और गुस्से में होटल के कमरे में पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

जानकारी के मुताबिक, पिंकी मानिकपुरी (22) कवर्धा की



रहने वाली थी। टिकेश्वर उर्फ टिंकू साहू (24) धमतरी में रहता था, वह राइस मिल में काम करता था। पिंकी अक्सर धमतरी आया करती थी, इसी दौरान उसकी मुलाकात टिकेश्वर से हुई। दोनों के बीच दोस्ती हुई जो प्यार में बदल गई।

दोनों के बीच डेढ़ साल से अफेयर था। टिकेश्वर ने पिंकी से शादी करने का वादा किया था। इस बीच लड़की को पता चला कि टिकेश्वर के दूसरे लड़कियों से भी अफेयर है और वह उनसे बातचीत करता है।

होटल में मिली पिंकी की लाश

ऐसे में इसकी सच्चाई जानने और शादी के बारे में बात करने के लिए पिंकी 24 सितंबर को धमतरी पहुंची थी। उसने होटल सीजी-05 में कमरा लिया। 26 सितंबर को होटल के कमरे में पिंकी संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली। पुलिस ने होटल स्टाफ का बयान लिया और जांच तेज की।

पंखे पर फंदा बनाकर लटकी

परिवार वालों की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा खोलकर दोबारा जांच की गई। पुलिस को कमरे के अंदर दीवार पर लगा पंखा टूटा हुआ मिला। लड़की ने इसी पंखे में दुपट्टे से फंदा बनाया था। वहीं युवती के चेहरे पर हल्के खून के निशान भी थे।इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस फिलहाल आत्महत्या की आशंका से जांच कर रही है। हालांकि, युवती की मौत की असली वजह अभी साफ नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

बॉयफ्रेंड का मैसेज भी सामने आया

जांच के दौरान ये बात भी सामने आई कि टिकेश्वर ने पिंकी की सहेली को मैसेज कर पिंकी से बात कराने के लिए कहा था। मैसेज में उसने यह भी लिखा था कि पिंकी ने उसे हर जगह से ब्लॉक कर दिया है।

मारपीट के बाद होटल से चला गया आरोपी

इसके बाद पुलिस ने 10 अक्टूबर को बॉयफ्रेंड टिकेश्वर को हिरासत में लिया और पूछताछ की। उसने पुलिस को बताया कि वह 25 सितंबर की शाम पिंकी से मिलने होटल पहुंचा था। वहां शादी को लेकर दोनों के बीच बातचीत हुई।

3-4 थप्पड़ जड़े, गालियां दी

इस दौरान टिकेश्वर ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। आरोपी ने गुस्से में लड़की से गाली-गलौज और मारपीट की। उसने 3-4 थप्पड़ भी जड़े थे। फिर वह होटल से चला गया। इसके बाद पिंकी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आरोपी को भेजा गया जेल

इस मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 108 के तहत केस दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।